www.tamsasanket.com
वर्षः 30|| अंक 42 ||अम्बेडकरनगर
रविवार
03 मई 2026||पृष्ठः 08||मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:28
सूर्यास्तः 06:39
अधिकतमः 34°00
न्यूनतमः 24°00

पेज 07

विशेष समाचार | आईसीयू के अमानवीय ... >>पेज 04 | दिल्ली के बीजेपी नेता ने ... >>पेज 06 | सुपरहीरो बन सलमान...

लगभग 87% मतदान, साउथ 24 परगना में बीजेपी टीएमसी कार्यकर्ताओं में झड़प

बंगाल : 15 बूथ पर दोबारा वोटिंग खत्म

मतदान

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में डायमंड हार्बर और मगराहाट पश्चिम विधानसभा के कुल 15 बूथों पर शनिवार को दोबारा मतदान हुआ। शाम 5 बजे तक मगराहाट पश्चिम के 11 बूथों में 86.11% और डायमंड हार्बर के 4 बूथों में 87.60% वोटिंग हुई। यानी एवरेज 86.86% वोटिंग हुई।

साउथ 24 परगना में TMC और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई। इस दौरान सुरक्षाबलों ने दोनों पक्षों को शांत कराया। फालता में वोटर्स ने TMC कार्यकर्ताओं पर हमले का आरोप लगाया।

उन्होंने बताया कि वोटिंग के बाद TMC के लोगों ने उनके साथ मारपीट की। जब वे इसका विरोध कर रहे थे तो पुलिस ने उन पर लाठीचार्ज किया। कई लोगों को पैर में, सिर में और हाथ में चोट आई है। TMC ने आरोप लगाया कि मगराहाट के बूथ नंबर 127 पर सुरक्षाबलों ने हमारे कैंप में तोड़फोड़ की और कार्यकर्ताओं से मारपीट की।

>> (शेष पेज 06 पर)

डायमंड हार्बर के फालता में हंगामे के बीच भारी सुरक्षाबल की तैनाती की गई।

"जलपाईगुड़ी में 5 सीटों के लिए वोटों की गिनती यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ बंगाल के दूसरे कैंपस में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के साथ होगी। अधिकारियों ने शनिवार को तैयारियों का रिव्यू किया। मालबाजार कॉलेज समेत दोनों काउंटिंग सेंटर पर पैरामिलिट्री फोर्स तैनात की गई हैं।

पश्चिम बंगाल के साउथ 24 परगना जिले की मगराहाट पश्चिम सीट पर री-पोलिंग के दौरान दिव्यांग महिला ने वोट डाला।

आज सभी भाजपा उम्मीदवार अपने विधानसभा क्षेत्रों में मंदिर जाएंगे

भाजपा के सभी विधानसभा के उम्मीदवार अपने-अपने चुनाव क्षेत्रों में मंदिरों में जाकर पूजा-अर्चना करेंगे। इसके अलावा सभी विधानसभा क्षेत्रों में महिलाएं स्ट्रांग रूम पर धरना देंगी।

"कुणाल घोष ने दावा किया है कि उनके पास विपक्षी पार्टी का एक सीक्रेट डॉक्यूमेंट है, जिसमें 294 सीटों पर उनकी रिव्यू दर्ज है। उन्होंने कहा कि इस डॉक्यूमेंट में विपक्ष ने सिर्फ 78 सीटों पर जीत की संभावना जताई है। घोष ने कहा कि कांग्रेस पहले चरण में ही 100 का आंकड़ा पार कर चुकी थी और दूसरे चरण में यह बढ़कर 200 तक पहुंच गई है। उन्होंने भरोसा जताया कि पार्टी चुनाव में मजबूत स्थिति में है।

बीजेपी सांसद राहुल सिन्हा बोले- टीएमसी की लड़ाई डेमोक्रेसी से है

TMC लीडर कुणाल घोष के बयान पर BJP MP राहुल सिन्हा ने कहा- कुणाल घोष डॉक्यूमेंट्स के नाम पर जो भी पेपर्स दिखा रहे हैं, वे सब झूठ हैं। वे अपने वर्कर्स को मोटिवेट करने के लिए ऐसा कर रहे हैं। वजह यह है कि TMC पावर से बाहर हो जाएगी। TMC के नेशनल जनरल सेक्रेटरी अभिषेक बनर्जी के बयान पर उन्होंने कहा- जो लोग 7 लाख वोटों से हारने वाले थे, वे लोकसभा में 7 लाख वोटों से कैसे जीत गए। वे यह छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। TMC की लड़ाई BJP, इलेक्शन कमीशन या सेंट्रल फोर्स से नहीं, बल्कि डेमोक्रेसी से है। वे डेमोक्रेसी को जड़ से उखाड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

ईवीएम से छेड़छाड़- झड़प की शिकायत पर दोबारा वोटिंग

दरअसल, 29 अप्रैल को इन बूथों पर दूसरे फेज की वोटिंग के दौरान EVM से छेड़छाड़ और झड़प की शिकायत मिली थी। इसके चलते दोबारा वोटिंग का फैसला लिया गया। ये सभी बूथ दक्षिण 24 परगना जिले में आते हैं।वहीं, TMC ने कोलकाता खुदीराम अनुशीलन केंद्र के रिटर्निंग ऑफिसर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पार्टी का दावा है कि पोस्टल बैलेट कवर से छेड़छाड़ हुई है। राज्य की सभी 294 सीटों पर रिकॉर्ड 92.84% वोटिंग हुई। 23 अप्रैल को फर्स्ट फेज की 152 सीटों पर 93.19% मतदान हुआ था। 29 अप्रैल को सेकेंड फेज की 142 सीटों पर 92.48% वोट पड़े। रिजल्ट 4 मई को आएंगे।

ममता बोलीं- एग्जिट पोल स्टॉक मार्केट प्रभावित करने की साजिश

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस (TMC) की बड़ी जीत का दावा किया है। शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए काउंटिंग एजेंट्स को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी 200 से ज्यादा सीटों पर जीत हासिल करेगी। ममता ने एग्जिट पोल के अनुमानों को सिरे से खारिज करते हुए इसे "स्टॉक मार्केट में हेरफेर करने की कोशिश" बताया। उन्होंने कहा कि पहले भी 2021 और 2024 में ऐसे प्रयास हुए थे और इस बार भी वही दोहराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स (CAPF) पर TMC कार्यकर्ताओं के साथ दुर्व्यवहार का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने कथित तौर पर इस तरह की कार्रवाई का सामना किया है, पार्टी उन्हें सम्मानित करेगी।

धनबाद-कोयला खदान में स्लरी ढहने से 4 मजदूरों की मौत

धनबाद । झारखंड के धनबाद में शनिवार को कोयला स्लरी (कोयले का पाउडर) धंस गई, जिससे 4 मजदूरों की मौत हो गई। ये सभी मजदूर मुनीडीह में BCCL की कोल वाशरी में काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक मलबा गिर गया। आसपास के मजदूरों और स्थानीय लोगों ने तुरंत बचाव काम शुरू किया और प्रशासन को सूचना दी। सूचना मिलते ही प्रशासन मौके पर पहुंचा। मलबा हटाकर चारों मजदूरों के शव बाहर निकाले गए। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। मृतक की पहचान प्रेम बाउरी, माणिक बाउरी, दीपक बाउरी और नारायण यादव के रूप में की गई है। घटना के बाद मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, इस हादसे ने एक बार फिर खनन क्षेत्रों में सुरक्षा मानकों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

9 राज्यों में आंधी-बारिश एमपी में गोदाम की छत उड़ी

कश्मीर में लैंडस्लाइड से डोडा-किश्तवाड़ रोड बंद

राहत

तमसा संकेत, एजेंसी

भोपाल/ लखनऊ/ शिमला/ देहरादून । भीषण गर्मी झेल चुके देश के बड़े हिस्से में शनिवार को तेज हवाओं के साथ बारिश से राहत मिली। मध्य प्रदेश, राजस्थान, यूपी, बिहार, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर और छत्तीसगढ़ यानी 9 राज्यों में आंधी-बारिश आई। कई जगह ओले गिरे।

मध्य प्रदेश के भोपाल, रायसेन और बालाघाट में बारिश हुई। कई जगह आंधी भी आई। रायसेन में तेज आंधी से गोदाम की छत उड़ गई, किसानों का गेहूं भीग गयाv। बालाघाट और सीहोर में पेड़ गिरने से वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। कश्मीर की चिनाब घाटी में लैंडस्लाइड के कारण डोडा-किश्तवाड़ रोड पूरी तरह बंद हो गई है। मलबे को हटाने के लिए मशीनें और कर्मचारी तैनात कर दिए गए हैं। उत्तर प्रदेश के दोपहर एक बजे के बाद ललितपुर और झांसी में धूलभरी आंधी चली।

>> (शेष पेज 06 पर)

■ मई में सामान्य से ज्यादा बारिश का अनुमान

65 साल का आरोपी गिरफ्तार, सीएम बोले- सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में होगी

4 साल की बच्ची से रेप और हत्या

हैवानियत

■ गांव वालों ने मुंबई-बेंगलुरु हाईवे पर चक्काजाम किया

तमसा संकेत, एजेंसी

पुणे । महाराष्ट्र के पुणे में शुक्रवार को एक व्यक्ति ने 4 साल की बच्ची से रेप के बाद पत्थर से कुचलकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने 65 साल के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, बच्ची पुणे के भोर तहसील में रहने वाली अपनी नानी के यहां गर्मी की छुट्टियां बिताने आई थी। भीमराव कांबले (आरोपी) शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे बच्ची को बहला-फुसलाकर अपने घर के पास बने तबेले में ले गया। वहां बच्ची से रेप करने के बाद उसकी हत्या कर दी।

महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री और एनसीपी (एसपी) नेता अनिल देशमुख ने मामले में आरोपी के लिए फांसी और मामला की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराने की मांग की थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

सुप्रिया सुले बोलीं- घटना मानवता को कलंकित करने वाली

एनसीपी (एसपी) नेता और सांसद सुप्रिया सुले ने आरोपी को कठोर से कठोर सजा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह घटना बेहद शर्मनाक और मानवता को कलंकित करने वाली है।

शिवसेना की राष्ट्रीय प्रवक्ता शाइना NC ने कहा कि इस दरिंदगी समाज के लिए बड़ा सवाल खड़ा करती है। इस घटना को लेकर लोगों में भारी गुस्सा है। यह सिर्फ एक अपराध नहीं, बल्कि एक मासूम के खिलाफ सबसे क्रूर अत्याचार है।

फास्ट न्यूज

पंजाब- आप छोड़ बीजेपी जॉइन करने वाले सांसद पर एफआईआर

मोहाली/लुधियाना। AAP छोड़कर BJP में शामिल हुए पंजाब से राज्यसभा सांसद संदीप पाठक के खिलाफ पंजाब में दो FIR दर्ज होने का दावा किया जा रहा है। यह केस भ्रष्टाचार और महिला के शोषण से जुड़े हुए हैं।

छापेमारी रिकॉर्ड

ईडी की 2025-26 में सबसे ज्यादा 2,892 रेड

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय ने साल 2025-26 में इतिहास में सबसे ज्यादा छापेमारी की। एजेंसी ने कुल 2,892 छापे मारे, जो पिछले साल 1,491 के मुकाबले लगभग दोगुने हैं। ED की सालाना रिपोर्ट 2025-26 के मुताबिक मनी लॉन्ड्रिंग के तहत गिरफ्तारियों में कमी आई। वहीं संपत्ति अटैचमेंट और पीड़ितों को पैसे लौटाने के मामलों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की गई। ED ने 712 प्रोविजनल अटैचमेंट ऑर्डर जारी कर 81,422 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की। यह पिछले साल के 30,036 करोड़ रुपए के मुकाबले 171% ज्यादा है।

देशभर में करोड़ों मोबाइल पर एकसाथ अलर्ट मैसेज आया

नई दिल्ली । देशभर में शनिवार सुबह 11:45 बजे कई मोबाइल फोन पर एकसाथ सायरन की आवाज सुनाई देने लगी। स्क्रीन पर हिंदी-अंग्रेजी में एक मैसेज था। सायरन बंद हुआ तो मोबाइल पर मैसेज पढ़कर भी सुनाया गया। इससे कई लोग परेशान हुए, तो कई कन्फ्यूज।

मशहूर गीतकार प्रसून जोशी बने प्रसार भारती के चेयरमैन

सिनेमा से साहित्य तक छोड़ी है छाप

नियुक्ति

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रसिद्ध गीतकार प्रसून जोशी को प्रसार भारती का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय की तरफ से जारी प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। गौरतलब है कि प्रसून जोशी भारतीय सिनेमा जगत का एक जाना-माना चेहरा हैं। प्रसिद्ध गीतकार प्रसून जोशी को प्रसार भारती का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय की तरफ से जारी प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। गौरतलब है कि प्रसून जोशी भारतीय सिनेमा जगत का एक जाना-माना चेहरा हैं। उन्होंने सिनेमा से लेकर विज्ञापन जगत और साहित्य तक अपनी छाप छोड़ी है। प्रसून जोशी की कलम से कई शानदार और यादगार गीत निकले हैं। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैश्नव ने कहाकि प्रसार भारती बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में प्रसून जोशी की नियुक्ति पर मेरी हार्दिक बधाई।

>> (शेष पेज 06 पर)

नासिक टीसीएस केस की आरोपी निदा को अग्रिम जमानत नहीं

नासिक । नासिक कोर्ट ने शनिवार को TCS की नासिक यूनिट से जुड़े सेक्सुअल हैरेसमेंट और जबरन धर्म परिवर्तन के मामले में आरोपी निदा खान की एंटीसिपेटरी बेल याचिका खारिज कर दी। प्रॉसिक्यूशन ने कोर्ट में कहा कि आरोप गंभीर हैं और उनसे कस्टडी में पूछताछ जरूरी है। निदा अब तक फरार है।

न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, पब्लिक प्रॉसिक्यूटर अजय मिसर ने बताया कि निदा खान इस केस की मुख्य आरोपियों में से एक हैं। इसी आधार पर कोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया।

FIR के अनुसार, निदा खान पर आरोप है कि उन्होंने महिला कर्मचारियों को बुर्का पहनने की सलाह दी थी। यह मामला कंपनी के अंदर कथित धार्मिक दबाव और उत्पीड़न से जुड़ा बताया गया है।

सपा प्रमुख बोले-मंहगाई और बेरोजगारी चरम पर, 2027 चुनाव की तैयारी में जुटने का आह्वान

भाजपा ने अर्थव्यवस्था को किया बर्बाद : अखिलेश

■ घोषणा की कि सत्ता में आने पर शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं मुफ्त की जाएंगी, छात्राओं को केजी से पीजी तक निशुल्क शिक्षा दी जाएगी और महिलाओं के लिए 'महिला सम्मान योजना' लागू की जाएगी।

आरोप

अरमान

तमसा संकेत, लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि मंहगाई और बेरोजगारी अपने उच्चतम स्तर पर हैं और रुपया लगातार डॉलर के मुकाबले कमजोर हो रहा है।

शनिवार को लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं और नेताओं से मुलाकात के दौरान उन्होंने कहा कि प्रदेश में भ्रष्टाचार और लूट अपने चरम पर पहुंच चुकी है। हर विभाग में बजट की बंदरबांट हो रही है और जनता सरकार की नीतियों से परेशान है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश की जनता अब भाजपा के खिलाफ खड़ी हो चुकी है ।

>> (शेष पेज 06 पर)

अखिलेश यादव ने भाजपा पर संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ काम करने का आरोप लगाते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव में हार के डर से पार्टी बौखला गई है। उन्होंने महिला आरक्षण कानून को लेकर भाजपा पर भ्रामक प्रचार करने और संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों द्वारा जनता को गुमराह करने का आरोप भी लगाया।

2027 विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटने का आह्वान

पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सपा प्रमुख ने 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत किया जाए। साथ ही उन्होंने भरोसा जताया कि आगामी चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी।

खौफनाक : मीरानपुर में बंद दरवाजे के पीछे मिला भयावह मंजर, पुलिस जांच तेज, मां गायब

खून से सना घरः चार बच्चों की हत्या से सनसनी

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर । अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के मीरानपुर मोहल्ले में शनिवार को एक ऐसी वारदात सामने आई, जिसने पूरे इलाके को दहला दिया। एक घर के अंदर चार मासूम बच्चों की हत्या कर दी गई। शव बिस्तर पर खून से सने हालत में मिले। घटना के बाद बच्चों की मां गायब है, जिससे मामला और पेचीदा हो गया है। मृतकों में शफीक (14), सऊद (10), उमर (8) और 7 वर्षीय बच्ची शामिल हैं। सभी बच्चे अपनी मां गासिया खातून के साथ घर में रहते थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बच्चों पर ईंट से हमला किया गया है। कुछ चोटों के निशान गले और सिर पर भी पाए गए हैं। कमरे में किसी बाहरी व्यक्ति के आने-जाने के स्पष्ट संकेत नहीं मिले हैं। यही वजह है कि पुलिस जांच अब परिवार के भीतर केंद्रित हो गई है। घर में सामान बिखरा मिला, लेकिन किसी तरह की लूटपाट के संकेत नहीं मिले। घटना के बाद से बच्चों की मां का कोई सुराग नहीं मिला है। उसका मोबाइल बंद है और किसी रिश्तेदार से संपर्क नहीं हुआ है।

>> (शेष पेज 06 पर)

सौतन के गम में मां ने ली चार मासूमों की जान

कई घंटे बंद रहा घर, फिर टूटा सन्नाटा

शनिवार सुबह से ही घर का दरवाजा बंद था। पड़ोसियों ने कई बार आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। दोपहर तक भी कोई हलचल न होने पर लोगों को शक हुआ और पुलिस को सूचना दी गई। 112 नंबर की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। दरवाजा अंदर से बंद था, जिसे तोड़कर टीम अंदर दाखिल हुई। अंदर का दृश्य देखकर पुलिसकर्मी भी कुछ पल के लिए स्तब्ध रह गए। कमरे में चार बच्चों के शव बिस्तर पर पड़े थे। खून के निशान दीवारों और फर्श पर फैले थे।

डीआईजी सोमेन बर्मा ने किया निरीक्षण, जांच तेज

अम्बेडकरनगर के अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के मुरादाबाद मोहल्ले में चार बच्चों की हत्या के सनसनीखेज मामले में पुलिस जांच तेज हो गई है। शनिवार को डीआईजी अयोध्या रेंज सोमेन बर्मा ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और अधिकारियों को जल्द खुलासे के निर्देश दिए। डीआईजी सोमेन बर्मा ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिस और फॉरेंसिक टीम से अब तक की जांच की जानकारी ली।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मामले की हर पहलू से जांच की जाए और किसी भी साक्ष्य को नजरअंदाज न किया जाए।

>> (शेष पेज 06 पर)

दिल्ली में जज अमन कुमार शर्मा ने की खुदखुशी लटका मिला शव

सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस मौके पर पहुंची

आत्महत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के जज अमन कुमार शर्मा ने आत्महत्या कर ली है। शनिवार को सफदरजंग इलाके में उनका शव फंदे से लटका मिला। जानकारी के मुताबिक थाना सफदरजंग एन्क्लेव को आज एक पीसीआर कॉल मिली जिसमें आत्महत्या के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान पुलिस को जानकारी दी गई कि 30 साल के अमन कुमार शर्मा ने अपने आवास पर सुसाइड कर लिया है। वह दिल्ली के कड़कड़डूमा कोर्ट में डीएलएसए के पद पर तैनात थे। घटना की जानकारी अमन के जीजा शिवम ने दी।

■ सिम्बायोसिस लॉ स्कूल से पूरी की पढ़ाई
■ पिछले महीने वकील ने की आत्महत्या

घटना की सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस मौके पर पहुंची और मामले में जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की जांच जारी है।

>> (शेष पेज 06 पर)

16वीं जनगणना का कार्यक्रम घोषित

घोषणा

यह जनगणना दो चरणों में कराई जाएगी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भारत की 16वीं जनगणना को लेकर आधिकारिक कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। यह जनगणना दो चरणों में कराई जाएगी। जिसमें पहले चरण में मकानों और बुनियादी सुविधाओं की जानकारी ली जाएगी। जबकि दूसरे चरण में जनसंख्या से संबंधित आंकड़े जुटाए जाएंगे। इस प्रक्रिया को आधुनिक तकनीक के माध्यम से अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने की तैयारी की गई है।

बताया कि पहले चरण में केवल हाउसहोल्ड स्तर का डेटा संग्रह किया जाएगा, जबकि दूसरे चरण में व्यक्तिगत स्तर पर जानकारी जुटाई जाएगी। इस बार तकनीक के जरिए जनगणना को अधिक पारदर्शी बनाने पर जोर दिया गया है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए आईएएस अधिकारी शीतल वर्मा ने शनिवार, 2 मई को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि राज्य में जनगणना के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई हैं। उन्होंने कहा कि इस विशाल कार्य के लिए करीब 5.25 लाख अधिकारियों और कर्मचारियों की तैनाती की गई है। इसमें प्रदेश के सभी 18 मंडल आयुक्त, 75 जिलाधिकारी, 17 नगर आयुक्त, लगभग 600 जिला स्तरीय अधिकारी, 1195 चार्ज अधिकारी, 285 मास्टर ट्रेनर और 6939 फील्ड ट्रेनर्स शामिल हैं। इसके अलावा करीब 5 लाख पर्यवेक्षक और प्रगणक भी इस अभियान का हिस्सा होंगे। वहीं जनगणना के ये आंकड़े राज्य और केंद्र सरकार की नीतियों और योजनाओं के निर्माण में अहम भूमिका निभाएंगे। खासकर जातिगत जनगणना से सामाजिक और आर्थिक वर्गों की वास्तविक स्थिति सामने आने की उम्मीद है, जिससे योजनाएं बनाना आसान होगा।

22 मई शुरू होगा जनगणना का पहला चरण

जानकारी के अनुसार, जनगणना का पहला चरण 22 मई 2026 से शुरू होगा। इस चरण में जनगणना कर्मी घर-घर जाकर मकानों की गणना करेंगे। इस दौरान हर घर की स्थिति, वहां उपलब्ध सुविधाएं जैसे पानी, बिजली, शौचालय, तथा परिवार की संपत्तियों से जुड़ी जानकारी मोबाइल ऐप के जरिए दर्ज की जाएगी। सरकार का उद्देश्य है कि डिजिटल माध्यम के उपयोग से डेटा जुटाया जाएगा।

दूसरा चरण फरवरी 2027 में आयोजित

दूसरा चरण फरवरी 2027 में आयोजित किया जाएगा, जिसमें जनसंख्या की गणना की जाएगी। इस चरण में हर व्यक्ति से संबंधित पूरी जानकारी जुटाई जाएगी। खास बात यह है कि इस बार जनगणना में जातिगत आंकड़े जुटाए जाएंगे, जो कि पहले कभी इस स्तर पर नहीं किया गया है। हालांकि, जातिगत जनगणना की प्रक्रिया के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) अभी तैयार की जा रही है। इसे केंद्र सरकार की नीति के अनुसार लागू किया जाएगा।

भूसा संग्रहण अभियान गोवंश संरक्षण का मजबूत आधार बना

गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु सरकार सतत प्रतिबद्ध

- गोबर की खाद के बदले में किसानों से भूसा प्राप्त करने की व्यवस्था भी प्रभावी रूप से लागू की गई : पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास विभाग के कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा है कि दिनांक 15 अप्रैल से 31 मई तक प्रदेश में संचालित ₹भूसा संग्रहण अभियान₹ निराश्रित गोवंशों के संरक्षण एवं उनके सुचारु भरण-पोषण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि निराश्रित गोवंशों का संरक्षण और संवर्धन राज्य सरकार की प्राथमिकता है और पशुधन विभाग इसके लिए निरंतर प्रयासरत है तथा इस दिशा में हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं। प्रदेश के सभी गौ आश्रय स्थलों पर निराश्रित गोवंश के लिए गर्मी से बचाव,चारा, भूसा, पेयजल विद्युत एवं औषधियों आदि सभी मूलभूत आवश्यकताओं की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

पशुधन मंत्री ने बताया कि प्रदेश में संचालित 7,430 स्थायी/अस्थाई गोआश्रय स्थलों में लगभग 12.34 लाख गोवंश संरक्षित किए जा चुके हैं। इन गोवंशों के भरण-पोषण एवं प्रबंधन का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण व संवेदनशील है जिसमें पर्याप्त भूसा- हरा चारा अति आवश्यक है। वर्तमान में गेहूं की कटाई के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त मात्रा में भूसा उपलब्ध होने के कारण 15 अप्रैल से 31 मई तक विशेष भूसा संग्रहण अभियान संचालित किया जा रहा है। श्री सिंह ने बताया कि अभियान के अंतर्गत 1,905 अस्थायी भूसा एवं बैंक(खोप/कूप) एवं 7,285 स्थायी भूसा बैंकों की स्थापना की गई है, जिनमें अब तक 41.53 लाख कुंतल भूसा संग्रहित किया जा चुका है। इस अभियान के तहत कुल 60.99 लाख कुंतल भूसा संग्रहण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

फास्ट न्यूज

युवक की करंट लगने से मौत

लखनऊ । महिंगवा क्षेत्र के पहाड़पुर गांव में शुक्रवार दोपहर एक युवक की खेत में पानी लगाते समय करंट लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान अमित के रूप में हुई है। इस घटना के विरोध में शनिवार को आक्रोशित परिजनों ने पहाड़पुर–कुम्भरावा रोड पर जाम लगाकर प्रदर्शन किया, जिससे इलाके में आवागमन बाधित रहा। प्रदर्शन की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची।

1533 नंबर पर भंडारे की जानकारी दें

लखनऊ। लखनऊ में बड़े मंगल के अवसर पर भंडारे को लेकर नगर निगम ने एडवाइजरी जारी की है। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने भंडारा आयोजकों से जीरो वेस्ट भंडारा आयोजित करने की अपील की है। उन्होंने कहा- लखनऊ की यह परंपरा 400 वर्षों से अधिक पुरानी है, जो सेवा, समर्पण और सामाजिक एकता का प्रतीक है। लोग भंडारे को लेकर 24 घंटे पहले नगर निगम के कंट्रोल रूम नंबर 1533 पर अवश्य दें। भंडारे की सूचना लखनऊ वन ऐप के स्वच्छ जीरो वेस्ट ऑप्शन में जाकर न्यू रिक्वेस्ट पर क्लिक करके भी दी जा सकती है।

केजीएमयू डॉक्टरों ने सीने से निकाला 2.5 किलो का ट्यूमर

लखनऊ । KGMU के जनरल सर्जरी विभाग के डॉक्टरों ने सर्जरी कर मरीज के सीने से 2.5 किलो का ट्यूमर निकालकर नई जिंदगी दी है। ट्यूमर इतना बड़ा था कि मरीज का दायां फेफड़ा पूरी तरह सिकुड़ गया था। दिल व मुख्य धमनी (एओर्टा) पर दबाव बना हुआ था। इसके ऑपरेशन में डॉक्टरों की टीम को करीब 5 घंटे का लंबा समय लगा है।

जमीन हड़पने के लिए युवक को अगवा किया

नशीला पदार्थ पिलाकर अश्लीत तस्वीरें लीं

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज। सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में जमीन हड़पने के इरादे से एक व्यक्ति का अपहरण कर उसे नशीला पदार्थ पिलाने और रेप के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की पत्नी रीता सैनी की तहरीर पर पुलिस ने सुनील शुक्ला, राजू और आकांक्षा पांडे समेत अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। रीता सैनी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि 28 अप्रैल को दोपहर 11 बजे गांव निवासी राजू रावत ने उनके पति को जमीन दिखाने के बहाने बुलाया था। उनके पति मोटरसाइकिल से जमीन देखने गए थे। शराब ठेके के पास पहले से मौजूद सुनील शुक्ला, राजू और कुछ अन्य अज्ञात लोगों ने उन्हें जबरन एक काली फॉर्च्यूनर में बैठाकर ले गए। काफी खोजबीन के बाद रीता को अपने परिचित नितेश सिंह की मदद से पता चला कि उनके पति को निलमथा स्थित सैनिक गेस्ट हाउस में रखा गया है। वहां पहुंचने पर उनके पति कमरे के अंदर अचेत अवस्था में मिले। परिजनों और दोस्तों की मदद से उन्हें घर लाया गया। रीता सैनी के अनुसार, होश में आने पर पति ने बताया कि सुनील शुक्ला, राजू और आकांक्षा पांडे ने मिलकर उन्हें जमीन हड़पने की नीयत से नशीला पदार्थ पिला दिया था, जिससे वे अचेत हो गए पति ने यह भी बताया कि आकांक्षा पांडे ने उन्हें धमकी दी।

मोदी के बाद राहुल का पोस्ट, लिखा- परेशान हूं, भाजपा में जाने की अटकलों को कांग्रेस ने खारिज किया

अजय राय आईसीयू में

- मेदांता अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती होने के बाद अजय राय का ब्लड सैंपल जांच के लिए भेजा गया।
- अजय राय तबीयत खराब होने से पहले शिक्षक और डॉक्टरों के सम्मेलन में शामिल हुए थे, जिसमें उनके साथ अविनाश पांडेय और सुप्रिया श्रीनेत साथ थे।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय की शुक्रवार दोपहर अचानक तबीयत बिगड़ गई। वे बेहोश हो गए। उन्हें तत्काल मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। इमरजेंसी में एक्सपर्ट डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज हुआ। इसके बाद उन्हें ICU में शिफ्ट कर दिया गया। फिलहाल, उनकी हालत खतरे से बाहर है।

उन्होंने अपने फेसबुक पर पोस्ट कर लिखा-बाबा विश्वनाथ की असीम कृपा और आप सभी की प्रार्थनाओं के आशीर्वाद से मैं अब बिल्कुल स्वस्थ महसूस कर रहा हूं। आप सभी के प्रेम और शुभकामनाओं के लिए हृदय से आभार। जल्द ही पूरी ऊर्जा के साथ जन सेवा में उपस्थित रहूंगा। कल अजय राय को

अजय राय, कांग्रेस यूपी अध्यक्ष

सीने में दर्द की शिकायत के बाद घर जाते वक्त कार में ही बेहोश हो गए थे। पीएम मोदी ने शुक्रवार रात 11.54 बजे 'X' परे पोस्ट कर अजय राय के जल्द ठीक होने की कामना की। उन्होंने लिखा- 'यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के अस्वस्थ होने का समाचार मिला। मैं उनके जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।'

इसके करीब 11 घंटे के बाद शनिवार सुबह 11.13 बजे कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने ट्वीट किया। लिखा- 'उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय कर तबीयत बिगड़ने के समाचार से चिंतित हूं। उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। आशा है कि वो जल्द से जल्द स्वस्थ हों और फिर से पूरी शक्ति के साथ जन सेवा में सक्रिय हों।'

प्रदेश ऑफिस में सीने में दर्द उठा, घर जाते वक्त बेहोश हुए

लखनऊ में कांग्रेस ने शुक्रवार को श्रमिक दिवस और बुद्ध पूर्णिमा के मौके पर शिक्षक और डॉक्टरों का सम्मेलन किया। इसमें दिल्ली से अविनाश पांडेय और सुप्रिया श्रीनेत समेत कई नेताओं ने हिस्सा लिया। अजय राय यूपी प्रभारी अविनाश पांडेय को कार्यक्रम के बाद एयरपोर्ट ड्रॉप करने गए थे। उसके बाद माल एवेन्यू स्थित पार्टी ऑफिस में वापस आए। यहां पर दूसरा कार्यक्रम चल रहा था, तभी उनकी तबीयत बिगड़ गई। उनके सीने में दर्द हुआ।

इस पर अजय राय ने साथियों से कहा कि उन्हें घबराहट हो रही है। घर ले चलो। अजय राय को तेलीबाग स्थित उनके अपार्टमेंट में ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उनकी तबीयत और बिगड़ गई। तुरंत उनको मेदांता हॉस्पिटल ले जाया गया।

समाधान दिवस में गश खाकर गिरी, जेठ ने हिस्से की जमीन कब्जा ली थी

डीएम के सामने महिला बेहोश

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ DM विशाख जी के सामने शनिवार को एक महिला बेहोश हो गई। वह समाधान दिवस में जमीन विवाद की शिकायत लेकर आई थी। महिला शिकायत करते हुए रोने लगी। वापस जाते समय अचानक उसको चक्कर आया और वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ी। उसे आनन-फानन में कुर्सी पर बैठाया गया। होश नहीं आने पर तुरंत सरोजनी नगर CHC ले जाया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

महिला की पहचान सरोजनी नगर थाने के अनौरा गांव की प्रिया यादव (45) के रूप में हुई है। महिला का जेठ से जमीनी विवाद सरोजनी नगर तहसील न्यायालय में विचाराधीन है। इस जमीन पर न्यायालय के स्टे के बाद भी जेठ निर्माण करा रहे है।

महिला को कुर्सी पर बैठाया गया

घटना के तुरंत बाद, जिलाधिकारी सहित अन्य सभी अधिकारी अपनी कुर्सियों से उठकर महिला के पास पहुंचे। उसे आनन-फानन उठाकर कुर्सी पर बिठाया गया और उसके चेहरे पर पानी छिड़का गया। बाद में, एक सरकारी गाड़ी के माध्यम से महिला को सरोजनी नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया गया, जहां उसे भर्ती कराया गया है।

इस निर्माण कार्य को रुकवाने के लिए वह समाधान दिवस में शिकायत करने आई थी। महिला का एक जमीनी विवाद सरोजनी नगर तहसील में न्यायालय में विचाराधीन है। 16 बिस्वा जमीन को लेकर महिला और उसके जेठ इंद्रजीत से विवाद चल रहा है। महिला का आरोप है कि उसके जेठ इन्द्रजीत पूरी जमीन को बेच रहे हैं और उस पर निर्माण कर रहे हैं। महिला को जो हिस्सा दे रहे हैं, वह वन विभाग की जमीन है। वह जब उस पर कुछ करने जाती तो वन विभाग वाले रोक देते हैं।

महिला को गोद में उठाकर ले जाया गया

लखनऊ के सरोजनी नगर तहसील में शनिवार को समाधान दिवस का आयोजन था। तहसील के अनौरा गांव की प्रिया यादव शिकायत लेकर पहुंची थीं। महिला ने जिलाधिकारी के सामने अपनी बात रखी। इसके बाद वह पीछे हटकर खड़ी हो गईं। अचानक उसे चक्कर आया। वह वहीं बेहोश होकर गिर पड़ी। घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जिलाधिकारी समेत अधिकारी भी हैरान रह गए।

पति गोमती नगर के निजी अस्पताल में भर्ती

महिला प्रिया का पति सत्येंद्र कुमार यादव खेती किसानी करने के साथ ऑटो चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता है। सत्येंद्र पिछले काफी दिनों से पाइल्स की बीमारी से पीड़ित है। वह पिछले 4 अप्रैल से गोमती नगर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती है, जहां उसका इलाज चल रहा है।

माटीकला कारीगरों हेतु 15 दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण

250 रुपये प्रतिदिन मानदेय के साथ आवेदन आमंत्रित

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड द्वारा परम्परागत कारीगरों एवं शिल्पियों के कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 15 दिवसीय शिल्पकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, लखनऊ के माध्यम से मण्डलीय ग्रामोद्योग प्रशिक्षण केन्द्र, डालीगंज, लखनऊ में संचालित किया जाएगा।

कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षार्थियों को दैनिक उपयोग की वस्तुएं, सजावटी सामग्री, खिलौने एवं मूर्तियां बनाने के साथ-साथ मिट्टी के उत्पादों पर कटिंग, चित्रकारी, नक्खाशी आदि विधाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण पूर्णतः आवासीय होगा, जिसमें प्रतिभागियों के रहने एवं भोजन की व्यवस्था निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अतिरिक्त प्रत्येक प्रशिक्षार्थी को

250 रुपये प्रतिदिन की दर से मानदेय भी प्रदान किए जाने का प्रावधान है। प्रशिक्षण हेतु आवेदन करने के इच्छुक परम्परागत कारीगर, मूर्तिकार एवं अन्य माटीकला से जुड़े अभ्यर्थी योजना की आधिकारिक वेबसाइट upmatikalaboard.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन के पश्चात अभ्यर्थियों को अपना आवेदन पत्र दिनांक 20 मई 2026 तक जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, 8 कैण्ट रोड, कैसरबाग, लखनऊ में जमा करना अनिवार्य होगा।

जांच : हर बॉल पर लगाता था सट्टा पत्नी से 25 मिनट बात की, सॉरी बोलकर कूदा

आईपीएल में 70 लाख हारने पर प्रॉपर्टी-डीलर का सुसाइड

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। 'मैं अपना सबकुछ हार गया हूं। मेरी सारी जमा पूंजी चली गई। मेरे पास अब कुछ नहीं बचा है। इसका जिम्मेदार मैं खुद हूं। सॉरी शिवानी...।' ये आखिरी बातें प्रॉपर्टी डीलर प्रबल जैन ने अपनी पत्नी से फोन पर कीं।

आखिरी कॉल में दोनों के बीच करीब 25 मिनट तक बात हुई। पत्नी के काफी समझाने के बावजूद प्रबल नहीं माना। इसके बाद लखनऊ में जनेश्वर अपार्टमेंट की 11वीं मंजिल से कूद गया।

35 साल के प्रॉपर्टी डीलर प्रबल जैन ने 4 पन्नों के सुसाइड नोट लिखा है। इसमें मौत के लिए खुद को जिम्मेदार बताया है। पत्नी से माफी भी मांगी है। पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि प्रबल लंबे समय से ऑनलाइन सट्टेबाजी करता था। IPL के मैचों में हर बॉल पर सट्टा खेलता था। ओवर में कितने रन बनेंगे, किस बॉल पर विकेट गिरेगा, कौन विकेट लेगा, कौन छक्के मारेगा। ऐसी चीजों को लेकर ऑनलाइन सट्टा खेलता था। इस साल आईपीएल शुरू होने के बाद से से वह करीब 70 लाख रुपए हार चुका था। इतनी बड़ी रकम हारने की वजह से ही उसने सुसाइड किया।

फ्लैट बंद कर खिड़की से लगाई छलांग

प्रबल जैन मूल रूप से सीतापुर के महमूदाबाद के रहने वाले थे और पिछले दो साल से जनेश्वर एन्क्लेव में रह रहे थे। उनकी पत्नी शिवानी एक निजी मॉल में मैनेजर हैं। दोनों ने करीब एक साल पहले प्रेम विवाह किया था। पुलिस के अनुसार गुरुवार रात प्रबल घर पर अकेले थे। उन्होंने फ्लैट अंदर से बंद किया और फिर 11वीं मंजिल से छलांग लगा दी। तेज आवाज सुनकर अपार्टमेंट परिसर में मौजूद लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। इसी दौरान ऑफिस से लौट रही पत्नी शिवानी भी वहां पहुंच गईं। पत्नी पलासियो मॉल में जॉब करती हैं। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से प्रबल को ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

प्रबल जैन, मृतक

सुसाइड नोट में लिखा- 'मैं खुद जिम्मेदार'

जांच के दौरान पुलिस को फ्लैट के अंदर टेबल पर रखा नोटपैड मिला। इसमें लिखे चार पन्नों के सुसाइड नोट में प्रबल ने लिखा कि वह सट्टेबाजी की आदत छोड़ना चाहते थे, लेकिन सफल नहीं हो पा रहे थे। उन्होंने लिखा कि पत्नी या परिवार का कोई दोष नहीं है। अपनी मौत के लिए वह खुद जिम्मेदार हैं। सुसाइड नोट के अंत में उन्होंने अपनी पत्नी को सॉरी बोला, उन्होंने लिखा 'सॉरी शिवानी...'।

5 किलो सिलेंडर ₹261 महंगा मजदूरों और छात्रों पर सीधा वार

भाजपा के झूठे वादों की सच्चाई जनता को समझनी होगी : संजय सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने मजदूर दिवस के दिन गैस सिलेंडर की कीमतों में भारी बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा और सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि चुनाव खत्म होते ही भाजपा सरकार ने अपनी असलियत दिखाते हुए गरीबों, मजदूरों और छोटे व्यापारियों की जेब पर खुला डाका डाल दिया है। यह कदम साबित करता है कि चुनाव के दौरान किए गए वादे महज छलावा थे और सत्ता हासिल करने का एक सुनियोजित खेल था। संजय सिंह ने कहा कि पूरे चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री और भाजपा के नेता गरीबी हटाने, महंगाई कम करने और देश के विकास के नाम पर जनता को गुमराह करते रहे। गरीबों के बीच जाकर दिखावटी संवेदनाएं जताना, उनके साथ भोजन करना, झालमुड़ी खाना और महिलाओं के खातों में पैसे डालने के वादे करना—यह सब एक सुनियोजित राजनीतिक ड्रामा था, जिसका मकसद सिर्फ वोट बटोरना था। उन्होंने कहा कि चुनाव खत्म होते ही भाजपा का असली चेहरा

- कमर्शियल सिलेंडर में 993 रुपये की भारी बढ़ोत्तरी कर छोटे कारोबारियों की कमर तोड़ीः संजय सिंह
- गरीबों के नाम पर ड्रामा कर सत्ता में आई भाजपा अब असली चेहरा दिखा रहीः संजय सिंह

बेनकाब हो गया। मजदूर दिवस जैसे दिन, जब पूरा देश मजदूरों के सम्मान की बात करता है, उसी दिन 5 किलो के गैस सिलेंडर पर 261 रुपये की बढ़ोतरी कर दी गई। यह सीधा हमला उन झुग्गीवासियों, मजदूरों, गरीबों और छात्रों पर है, जो अपनी रोजमर्रा की जिंदगी चलाने के लिए इस छोटे सिलेंडर पर निर्भर हैं।

पीठ पर धारदार हथियार के निशान, बाइक पास में मिली

बाग में मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

सनसनी

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर । सम्मनपुर थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह एक युवक का शव बाग में मिलने से सनसनी फैल गई। शव खेत के पास मेड़ पर मिला। युवक की पीठ पर धारदार हथियार से चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है।

मृतक की पहचान मछली गांव जहनियापुर निवासी सूरज उपाध्याय (25) पुत्र दिलीप उपाध्याय के रूप में हुई है। वह शुक्रवार शाम करीब 8 बजे घर से बाइक लेकर निकला था, जिसके बाद वह वापस नहीं लौटा। सम्मनपुर थाना प्रभारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की स्थिति स्पष्ट होगी। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर की जा रही है। शुरुआती जांच में मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। गांव में घटना को लेकर चर्चा का माहौल है। लोग अलग-अलग तरह की आशंकाएं जता रहे हैं। पुलिस टीम आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है।

> सूरज दो भाइयों में सबसे छोटा था। उसका बड़ा भाई शिवम है और एक बहन की शादी हो चुकी है। पिता दिलीप उपाध्याय जलालपुर तहसील में स्टाम्प विक्रेता के रूप में कार्यरत हैं।
>
> घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए।

बाइक और शव अलग-अलग स्थान पर मिले

शनिवार सुबह ग्रामीणों ने आशाराम कन्नौजिया के खेत में शव देखा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। शव से करीब 200 मीटर दूरी पर उसकी बाइक भी पड़ी मिली। इस स्थिति ने मामले को और संदिग्ध बना दिया है।

चेहरे पर चोट, पीठ पर खरोंच के निशान

परिजनों के अनुसार मृतक का चेहरा नीला पड़ा हुआ था और पीठ पर खरोंच के निशान थे। इससे गला दबाकर हत्या की आशंका भी जताई जा रही है। परिवार के लोगों ने मामले में हत्या की आशंका जताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।

सीबी सिंह लॉ कॉलेज में राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का भव्य आगाज

प्रथम दिन उद्घाटन सत्र, रिसर्च टेस्ट और क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे मुकाबले

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । सीबी सिंह लॉ कॉलेज में 2 और 3 मई 2026 को आयोजित तृतीय प्रो. डॉ. शिव सहाय सिंह राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का शुभारंभ शुक्रवार को किया गया। उद्घाटन समारोह डॉ. विजय प्रताप सिंह कॉन्फ्रेंस हॉल में सुबह 11 बजे विधि-शास्त्रीय वातावरण में संपन्न हुआ। देश के विभिन्न विधि महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों से आई टीमों का स्वागत मूट कोर्ट कमेटी के समन्वयक डॉ. अमित कुमार तिवारी और डॉ. संदीप श्रीवास्तव की टीम ने किया। कार्यक्रम से पहले रिसर्चर टेस्ट भी आयोजित किया गया।

हॉल, कोर्ट रूम और गैलरी की सजावट का दायित्व डॉ. निधि सिंह और उनकी टीम ने संभाला।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई। अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर किया गया। मंच संचालन वसुंधरा सिंह और सुवासिनी कसौधन ने किया। प्रो. उषा टंडन ने छात्रों को संवैधानिक मूल्यों और नैतिकता के प्रति सजग रहने की बात कही। उन्होंने कहा कि न्याय के प्रति प्रतिबद्धता ही एक सफल विधिवेत्ता की पहचान है। न्यायमूर्ति सी. डी. सिंह ने कहा कि मूट कोर्ट प्रतियोगिताएं छात्रों को न्यायालयीन प्रक्रिया, तर्क क्षमता और विधिक शोध की समझ प्रदान करती हैं।

न्यायमूर्ति और शिक्षाविदों की रही उपस्थिति

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सी. डी. सिंह मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो. उषा टंडन शामिल हुईं। इसके अलावा अतिरिक्त महाधिवक्ता कुलदीप पति त्रिपाठी, वरिष्ठ अधिवक्ता के. एस. भाटी और अवध विश्वविद्यालय के विधि विभाग के डीन प्रो. अजय सिंह भी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने संस्थापक प्रो. डॉ. शिव सहाय सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

फास्ट न्यूज

सपा नेता गोप ने सरकार बनाने का आह्वान किया

बाराबंकी । समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर आयोजित मासिक बैठक में पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविन्द सिंह गोप ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने आगामी 2027 विधानसभा चुनाव के लिए एकजुट होने का आह्वान किया।

बैठक को संबोधित करते हुए अरविन्द सिंह गोप ने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं को मिलकर 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनानी है।

वाराणसी-एसटीएफ ने दबोचे झारखंड डकैती के आरोपी

वाराणसी। वाराणसी STF टीम ने झारखंड हजारीबाग बैंक डकैती के तीन आरोपियों को दबोच लिया है। तीनों आरोपियों ने गैंग के साथ मिलकर बैंक में डकैती डाली थी और अब यूपी में डकैती और चोरी की वारदातों की प्लानिंग बना रहे थे। इनपुट के बाद टीम ने इन्हें सारनाथ के सिंहपुर इलाके के एक घर से गिरफ्तार किया है, बदमाशों से लाखों की नगदी और सोने समेत कार और मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। इसके साथ पहले की चोरी-डकैती के कई साक्ष्य भी मिले हैं। आरोपियों ने अब तक कई कुंतल सोने की सोने की चोरी की और गोरखपुर-मऊ में प्रापर्टी में निवेश किया।

बाराबंकी में ड्रग माफिया की 6 करोड़ की संपत्ति कुर्क

बाराबंकी । बाराबंकी पुलिस और प्रशासन ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए कुख्यात ड्रग माफिया और हिस्ट्रीशीटर मिस्बाहुर्रहमान उर्फ अज्जन की 6 करोड़ रुपये से अधिक की अचल संपत्ति कुर्क कर ली है। यह कार्रवाई एनडीपीएस एक्ट 1985 की धारा 68F(2) के तहत न्यायनिर्णायक प्राधिकारी, नई दिल्ली के आदेश पर की गई।

जनपद में सघन वाहन चेकिंग अभियान जारी

4 हजार से अधिक वाहनों का चालान, 32 वाहन सीज

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के लिए पुलिस का सघन वाहन चेकिंग अभियान लगातार जारी है। 1 अप्रैल 2025 से शुरू हुआ यह अभियान अब भी प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है।1 अप्रैल 2026 से अब तक कुल 4320 वाहनों का चालान किया गया है। इस दौरान 103 वाहनों से 1,11,600 रुपये का शमन शुल्क वसूला गया। साथ ही नियमों का उल्लंघन करने पर 32 वाहनों को सीज किया गया है।

नशे की हालत में वाहन चलाने वालों के खिलाफ भी विशेष अभियान चलाया गया। 1 अप्रैल 2026 से 3 अप्रैल 2026 तक 2530 वाहन चालकों की जांच की गई। जांच के दौरान 18 चालकों का चालान किया गया और उन पर कुल 1,80,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह कार्रवाई जारी रहेगी। अभियान का उद्देश्य सड़कों पर सुरक्षा बढ़ाना और दुर्घटनाओं को कम करना है।

मजदूर दिवस पर भव्य आयोजन योजनाओं की दी जानकारी

41 श्रमिकों को 29 लाख रुपये का हितलाभ

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर श्रम विभाग की ओर से जन-जागरूकता एवं हितलाभ वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम सरगम सभागार, एनटीपीसी टांडा में आयोजित हुआ। इसकी अध्यक्षता जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने की।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस दौरान प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी दिखाया गया। बड़ी संख्या में श्रमिकों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने कहा कि देश को विकसित बनाने में श्रमिकों की भूमिका अहम है। सरकार श्रमिकों के कल्याण, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा के लिए कई योजनाएं चला रही है।उन्होंने श्रमिकों से अपील की कि वे इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लें। किसी भी समस्या के समाधान के लिए संबंधित विभाग से संपर्क करने की बात भी कही।

कार्यक्रम में सहायक श्रमायुक्त ने विभिन्न श्रमिक कल्याण योजनाओं की जानकारी दी। इसमें कन्या विवाह सहायता योजना, संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना, मातृत्व एवं बालिका सहायता योजना समेत कई योजनाएं शामिल रहीं।

2047 के लक्ष्य में श्रमिक अहमः सीडीओ

मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला ने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में श्रमिकों की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने महिला श्रमिकों की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया।साथ ही नए श्रम कानूनों की जानकारी देते हुए उन्हें समझने और अपनाने की जरूरत बताई।

अहिरौली में हाईटेंशन टावर पर चढ़ा युवक

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । कटेहरी क्षेत्र के अहिरौली इलाके में शनिवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया जब एक युवक हाईटेंशन बिजली लाइन के टावर पर चढ़ गया। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस ने उसे सुरक्षित नीचे उतार लिया।

घटना खेमापुर की है। युवक की पहचान भीटी क्षेत्र के गोविंदपुर निवासी जितेंद्र निषाद के रूप में हुई है। पुलिस ने कार्रवाई के बाद उसे भीटी थाना पुलिस के हवाले कर दिया। जानकारी के अनुसार, जितेंद्र निषाद पहले से शादीशुदा है और उसका एक बच्चा भी है। उस पर एक नाबालिग किशोरी के अपहरण का मामला दर्ज है।

आरोप है कि होली से एक दिन पहले उसने किशोरी को बहला-फुसला कर चंडीगढ़ ले गया था। बाद में परिजनों की शिकायत पर वह किशोरी को वापस लेकर आया, लेकिन इसके बाद दोनों फिर लापता हो गए। पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर किशोरी को बरामद कर लिया था। फिलहाल किशोरी लखनऊ के नारी निकेतन में रह रही है। पुलिस लगातार आरोपी की तलाश में थी। इसी बीच शनिवार को जितेंद्र टावर पर चढ़ गया। घटना की सूचना मिलते ही अहिरौली पुलिस मौके पर पहुंची और उसे समझाने का प्रयास शुरू किया।

थाना प्रभारी अभिषेक त्रिपाठी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बातचीत कर युवक को सुरक्षित नीचे उतारा।

टांडा तहसील में जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने संभाली कमान

संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम एसपी की मौजूदगी

> सदर अकबरपुर तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जॉइंट मजिस्ट्रेट प्रतीक्षा सिंह की अध्यक्षता में हुआ। यहां राजस्व और अन्य विभागों से जुड़े मामलों की सुनवाई की गई।

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । माह के प्रथम शनिवार को सभी तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। टांडा तहसील में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने की।

डीएम ने फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित विभागीय अधिकारियों को मौके पर ही निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शिकायतों का समाधान तय समय सीमा में और पारदर्शी तरीके से किया जाए।

डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पुराने लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता की शिकायतों का समयबद्ध समाधान प्रशासन की जिम्मेदारी है।

एसपी ने भी पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि थानों से जुड़े मामलों में त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

एसपी प्राची सिंह ने पुलिस मामलों की समीक्षा की

टांडा तहसील में समाधान दिवस के दौरान पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह भी मौजूद रहीं। उन्होंने पुलिस से जुड़े मामलों की सुनवाई की और कई प्रकरणों में तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। एसपी ने कहा कि जनता की शिकायतों पर संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई हो और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।

दोनों अधिकारियों की मौजूदगी में कई मामलों पर मौके पर ही कार्रवाई के आदेश दिए गए। भूमि विवाद, पुलिस शिकायत और अन्य मामलों पर विभागों को तत्काल जांच के निर्देश मिले।

त्रिविध पावन पर्व पर बुद्ध वंदना का आयोजन

दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ

गौतम बुद्ध और डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । पंचशील नगर में 1 मई 2026 को तथागत गौतम बुद्ध त्रिविध पावन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धेय कैलाश जी के आवास पर किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत बुद्ध वंदना, त्रिशरण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद उपस्थित धम्म बंधुओं ने गौतम बुद्ध और डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शांति आश्रम इंटर कॉलेज सया के प्रधानाचार्य रामदयाल ने बुद्ध के अष्टांगिक मार्ग और पंचशील सिद्धांतों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शांति, मैत्री और समानता के मार्ग पर चलकर ही समाज में संतुलन स्थापित किया जा सकता है।

कार्यक्रम का संचालन कैलाश सिद्धार्थ ने किया। इसमें बड़ी संख्या में धम्म बंधु और स्थानीय लोग शामिल हुए।

राम अवतार गौतम, सभाजीत, संदीप, भीमराज, गोविंद, जीत बहादुर, शशिकांत, सुरेश, सुरेंद्र प्रताप और अन्य लोग उपस्थित रहे। महिला उपासिकाओं में नीलम, अनीता, रेखा, अंजू, राजकुमारी, प्रतिमा, गायत्री, गीता और उमा सहित कई लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में वक्ताओं ने बुद्ध के संदेशों को जीवन में अपनाने की अपील की। उपस्थित लोगों ने सामाजिक एकता और शांति के विचारों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

अष्टखंभा के संरक्षण को 1 करोड़ मंजूर, विवेक मौर्य ने जताया आभार

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । अकबरपुर क्षेत्र स्थित ऐतिहासिक अष्टखंभा के संरक्षण और सौंदर्यीकरण के लिए 1 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है। इस निर्णय के बाद भाजपा नेता व नारायण फाउंडेशन के संरक्षक विवेक मौर्य ने संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह से मुलाकात कर आभार व्यक्त किया।

2 मई 2026 को हुई इस मुलाकात में विवेक मौर्य ने कहा कि यह फैसला क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने की दिशा में अहम कदम है। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे को पहले भी मंत्री के सामने रखा गया था, जिस पर अब स्वीकृति मिल गई है। विवेक मौर्य ने जानकारी दी कि 15 जुलाई 2025 को उन्होंने और अखिल भारतीय राजभर संगठन के पदाधिकारियों ने लोरपुर स्थित अष्टखंभा के संरक्षण के लिए मंत्री से मुलाकात की थी। इस दौरान ज्ञापन सौंपकर स्थल के विकास और सौंदर्यीकरण की मांग की गई थी।

संस्कृति मंत्री से मुलाकात में अकबरपुर के लिए नई परियोजनाओं की उठाई मांग

इस प्रतिनिधिमंडल में जिला अध्यक्ष रामकिशोर राजभर, जिला महासचिव रामनायक राजभर, सभासद अनिल राजभर सहित अन्य लोग शामिल थे। उसी मांग के आधार पर अब इस परियोजना के लिए 1 करोड़ की राशि मंजूर की गई है। अष्टखंभा के संरक्षण के मुद्दे को लगातार उठाने में विवेक मौर्य की भूमिका प्रमुख रही। उन्होंने स्थानीय स्तर पर इस ऐतिहासिक स्थल के महत्व को सामने रखा और इसके विकास के लिए प्रयास किए।

आरोप : ग्रामीणों का दावा-राशि खर्च दिखी, लेकिन जमीनी स्तर पर काम नहीं

तालाब सफाई में गड़बड़ी के आरोप गौरा बसंतपुर में काम पर उठे सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । कटेहरी विकासखंड स्थित गौरा बसंतपुर ग्राम सभा में तालाब सफाई को लेकर गड़बड़ी के आरोप सामने आए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सफाई के नाम पर बड़ी रकम खर्च दिखाई गई, लेकिन मौके पर कोई काम नजर नहीं आता।

स्थानीय लोगों के अनुसार, तालाब की स्थिति पहले जैसी ही बनी हुई है। न तो गाद निकाली गई और न ही सफाई का कोई ठोस काम हुआ। ग्रामीणों का आरोप है कि कागजों में कार्य पूरा दिखाकर भुगतान कर दिया गया।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इस पूरे मामले में संबंधित अधिकारियों और ठेकेदार की भूमिका की जांच होनी चाहिए। उनका कहना है कि बिना मिलीभगत के इस तरह की स्थिति संभव नहीं है।

हालांकि, प्रशासन की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। इससे स्थिति और स्पष्ट नहीं हो पा रही है।

विकास कार्यों पर भी उठे सवाल

ग्राम सभा में सिर्फ तालाब ही नहीं, अन्य विकास कार्यों को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों के मुताबिक, कागजों में कई योजनाओं के तहत काम पूरा दिखाया गया है, लेकिन जमीनी स्थिति अलग है।

गांव की सड़कें, नालियां और अन्य सुविधाएं अपेक्षित स्तर पर नहीं हैं। लोगों का कहना है कि वास्तविक विकास और कागजी दावों में अंतर साफ दिखता है।

जांच के बाद भी नहीं बदली स्थिति

मामले में शिकायत के बाद जांच टीम गांव पहुंची थी। ग्रामीणों का कहना है कि जांच के दौरान कुछ समय तक हलचल रही, लेकिन बाद में मामला शांत हो गया। आरोप है कि जांच रिपोर्ट में वास्तविक स्थिति सामने नहीं आई। कई ग्रामीणों ने बताया कि जांच के निष्कर्ष सार्वजनिक नहीं किए गए। इससे पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं। गांव के लोगों का कहना है कि अगर सही तरीके से जांच होती, तो स्थिति स्पष्ट हो सकती थी।

राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर साइकिल रैली से जागरूकता अभियान

दीवानी कचहरी से शुरू हुई रैली, जनजागरूकता पर जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । 9 मई 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए शनिवार को साइकिल रैली निकाली गई। रैली को जनपद न्यायाधीश चंद्रदोय कुमार ने दीवानी कचहरी परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जनपद न्यायाधीश ने बताया कि रैली का उद्देश्य लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत के महत्व और इसके लाभों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से विवादों का समाधान आपसी सहमति से होता है, जिससे समय और धन दोनों की बचत होती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि अधिक से अधिक लंबित मामलों का निस्तारण लोक अदालत के माध्यम से कराएं। रैली दीवानी कचहरी के गेट नंबर 1 से शुरू होकर डॉ. अंबेडकर प्रतिमा (कलेक्ट्रेट गेट), टांडा रोड, पटेल नगर तिराहा और बसखारी रोड होते हुए आगे बढ़ी। इसके बाद यह दीवानी न्यायालय के गेट नंबर 3 पर समाप्त हुई। पूरे मार्ग में प्रतिभागियों ने लोक अदालत से जुड़े संदेशों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। इस अभियान में न्यायिक अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी, एनसीसी कैडेट्स, विद्यार्थी, न्यायालय कर्मचारी, एलएडीसीएस और पीएलवी शामिल रहे।

सम्पादकीय

जानलेवा लापरवाही, सुरक्षा के न्यूनतम उपाय भी नहीं

जबलपुर में बरगी बांध में एक क्रूज के डूबने से नौ पर्यटकों की मौत को केवल हादसे की संज्ञा देना सच से मुंह मोड़ना होगा, क्योंकि यदि पर्याप्त सतर्कता बरती गई होती तो जनहानि से बचा जा सकता था। यह क्रूज इसलिए डूबा, क्योंकि तेज आंधी से वह असंतुलित हो गया, लेकिन किसी के लिए भी समझना कठिन है कि खराब मौसम की सूचना के बाद भी क्रूज का संचालन क्यों किया गया? इससे भी गंभीर प्रश्न यह है कि क्रूज की सुरक्षा के न्यूनतम उपाय भी क्यों नहीं किए गए?

क्रूज में लाइफ जैकेट थीं, लेकिन उन्हें पर्यटकों को पहनने के लिए निर्देशित ही नहीं किया गया। हादसे में किसी तरह बचे और बचाए गए लोगों की मानें तो लाइफ जैकेट तब दी गईं, जब क्रूज डूबने लगा। स्पष्ट है अफरातफरी के माहौल में लोगों को या तो उन्हें पहनने का अवसर नहीं मिला होगा या फिर वे उन्हें सही तरह पहन नहीं सके होंगे। क्रूज डूबने के बाद घटनास्थल पर पहुंचे बचाव दल को लाइफ जैकेट एक बंडल में बंधे मिले।

आखिर यह जानलेवा लापरवाही नहीं तो और क्या है? चूंकि बरगी बांध में डूबा क्रूज मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड की ओर से संचालित किया जा रहा था, इसलिए संबंधित अधिकारियों को जवाबदेह बनाना होगा। केवल घटना पर शोक जताने या फिर मारे गए लोगों के परिवार वालों को मुआवजा देने की घोषणा मात्र से कर्तव्य की इतिश्री नहीं की जानी चाहिए।

मध्य प्रदेश सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि जबलपुर हादसे के लिए जिम्मेदार लोग बचने न पाएं। इसके साथ ही उसे सभी पर्यटन स्थलों में पर्यटकों की सुरक्षा के पर्याप्त उपाय करने चाहिए। इसकी अनदेखी न की जाए कि अतीत में भी राज्य के अन्य पर्यटन स्थलों में हादसे हो चुके हैं और उनमें लोगों की जान गई है। कम से कम तीन हादसे तो पिछले साल ही हो चुके हैं।

पर्यटन स्थलों में पर्यटकों की सुरक्षा के मामले में केवल मध्य प्रदेश सरकार को ही नहीं, अन्य राज्य सरकारों को भी चेतना चाहिए, क्योंकि ऐसे स्थलों में सुरक्षा की कमी के चलते रह-रहकर दुर्घटनाएं होती ही रहती हैं। कुछ ही दिनों पहले मथुरा में यमुना में स्टीमर के पलटने से 15 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। इसी माह के प्रारंभ में हिमाचल के कुल्लू में पर्यटकों से भरी ट्रैवलर नाले में गिरने से चार लोगों की जान गई थी। खराब सड़कों और खतरनाक ढंग से ड्राइविंग के चलते तो प्रायः ही वाहन खाई में गिरते रहते हैं। वास्तव में अपने देश में कहीं पर कभी भी हादसा होने की आशंका बनी ही रहती है। ऐसा आम तौर पर सुरक्षा उपायों की अनदेखी और सतर्कता के अभाव के चलते होता है। यह कहने में हर्ज नहीं कि भारत में हर स्तर पर सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर लापरवाही बरतने का शर्मनाक सिलसिला कायम है।

आईसीयू के अमानवीय एवं अनैतिक पक्षों की निगरानी जरूरी

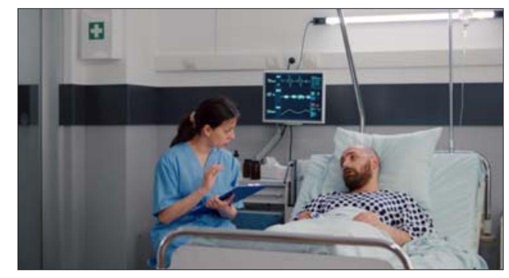

सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट के ये दिशानिर्देश एक सरल व सामान्य सिद्धांत की पुष्टि करते हुए इस विसंगति को दूर करने का प्रयास करते हैं कि किसी भी अस्पताल का आईसीयू मरीज की अनिश्चितकालीन देखभाल के लिए नहीं होता है।

देश में स्वास्थ्य सेवा की वर्तमान स्थिति पर विचार करते समय एक अत्यंत चिंताजनक, मानवीय और संवेदनशील प्रश्न सामने आता है-क्या चिकित्सा अब सेवा न रहकर व्यवसाय का कठोर रूप एवं एक त्रासदी बनती जा रही है? विशेष रूप से निजी अस्पतालों के आईसीयू (गहन चिकित्सा कक्ष) से जुड़े मामलों ने इस प्रश्न को और अधिक तीखा बना दिया है। ऐसे अनेक उदाहरण सामने आए हैं, जहां मरीज के चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो जाने के बावजूद उसे आईसीयू में रोके रखा जाता है। इसके पीछे का कारण अक्सर चिकित्सा की अनिवार्यता नहीं, बल्कि आर्थिक लाभ की निरंतर चलती प्रक्रिया होती है। यह स्थिति न केवल चिकित्सा के नैतिकता एवं सेवाभावना पर प्रश्नचिह्न लगाती है, बल्कि मानवता की मूल संवेदनाओं को भी झकझोरती है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा आईसीयू के लिए एकसमान दिशानिर्देशों की आवश्यकता पर बल देना इस गंभीर समस्या की स्वीकारोक्ति भी है और समाधान की दिशा में एक सार्थक पहल भी। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि जो मरीज चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो चुके हैं या जिन्हें गहन निगरानी अथवा जीवन रक्षक उपकरणों की आवश्यकता नहीं है, उन्हें अनावश्यक रूप से आईसीयू में नहीं रखा जाना चाहिए। यह निर्देश केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि गहरे नैतिक आधार पर टिका हुआ है। यह हमें याद दिलाता है कि चिकित्सा का मूल उद्देश्य जीवन की रक्षा और पीड़ा का निवारण है, न कि आर्थिक लाभ का अधिकतमकरण।

इन दिशानिर्देशों में यह निर्दिष्ट किया गया है कि चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो चुके या जिन मरीजों के अंगों को बाहरी सहायता अथवा शारीरिक निगरानी की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जानी चाहिए। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि शीर्ष अदालत ने समस्या के यथाशीघ्र समाधान की जरूरत पर बल दिया है। अदालत ने डॉक्टरों की प्रतिष्ठा को संरक्षित करते हुए चिकित्सा संस्थानों व अस्पतालों की जवाबदेही सुनिश्चित करने पर बल दिया है। निश्चित तौर पर आधुनिक चिकित्सा खर्चीली हो गई और बेहतर सुविधाओं के लिए बड़ी रकम चुकानी होती है। लेकिन इस व्यवस्था में सेवा का भाव न होकर व्यवसाय की भावना का अधिक होना चिन्ताजनक है। इसी के कारण इसमें अनेक विसंगतियां एवं क्रूरताएं व्याप्त होती जा रही है, इसके नियमन का कार्य यूं तो देश के नीति-नियंताओं और शासन-प्रशासन को करना चाहिए था। लेकिन विडंबना यह है कि अदालत को ऐसे मामलों में पहल करनी पड़ती है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक समान गहन चिकित्सा ईकाई दिशानिर्देशों की जरूरत बताना विसंगतियों से जूझती आईसीयू प्रणाली के लिए एक आशा की किरण लेकर आई है। वास्तव में आईसीयू एक विशेष सुविधा है, जिसका उपयोग केवल उन मरीजों के लिए होना चाहिए जिनकी स्थिति गंभीर हो और जिन्हें निरंतर निगरानी या अत्याधुनिक उपकरणों की आवश्यकता हो। किंतु जब इस सुविधा का उपयोग लाभ कमाने के साधन के रूप में होने लगे, तब यह व्यवस्था एक प्रकार की अमानवीयता में परिवर्तित हो जाती है। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए आईसीयू का खर्च अक्सर असहनीय होता है। एक दिन का खर्च हजारों से लेकर लाखों तक पहुंच सकता है। ऐसे में यदि मरीज को अनावश्यक रूप से वहां रोका जाता है, तो यह केवल आर्थिक शोषण नहीं, बल्कि मानसिक और सामाजिक उत्पीड़न भी है। यह स्थिति इसलिए भी जटिल हो जाती है क्योंकि आमजन को चिकित्सा प्रक्रियाओं की गहन जानकारी नहीं होती। मरीज के परिजन डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन के निर्देशों पर पूरी तरह निर्भर होते हैं। इस निर्भरता का दुरुपयोग तब होता है जब पारदर्शिता का अभाव होता है। कई बार मरीज को वास्तविक स्थिति से अवगत नहीं कराया जाता और उसे आईसीयू में बनाए रखने के निर्णय को अंतिम सत्य की तरह प्रस्तुत कर दिया जाता है। इस प्रकार एक अस्पष्टता का वातावरण बनता है, जिसमें सत्य और लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है।

यदि हम इस समस्या की जड़ में जाएं, तो पाएंगे कि यह केवल अस्पतालों या डॉक्टरों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक व्यवस्थागत विफलता का परिणाम है। आजादी के बाद शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को सरकार के अधीन रखकर यह अपेक्षा की गई थी कि ये क्षेत्र जनसेवा के आदर्श उदाहरण बनेंगे। किंतु समय के साथ आर्थिक उदारीकरण और निजीकरण के प्रभाव ने इन क्षेत्रों की दिशा बदल दी। शिक्षा जहां एक महंगा व्यवसाय बन गई, वहीं चिकित्सा सेवा भी धीरे-धीरे लाभ कमाने का माध्यम बनती चली गई। यह कहना अनुचित नहीं होगा कि आज चिकित्सा क्षेत्र में एक प्रकार की "व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा" चल रही है, जिसमें मरीज एक ग्राहक की तरह देखा जाने लगा है। बड़े-बड़े निजी अस्पताल आधुनिक सुविधाओं से लैस होकर तेजी से बढ़ रहे हैं, जो एक दृष्टि से सकारात्मक है, लेकिन जब इन सुविधाओं का उपयोग केवल आर्थिक लाभ के लिए होने लगे, तब यह चिंता का विषय बन जाता है। अस्पतालों की संख्या बढ़ना अच्छा है, लेकिन उनकी कार्यप्रणाली में लोभ की प्रवृत्ति का बढ़ना जहां गहन घातक है, वही उसमें मानवीय संवेदना और नैतिकता का समावेश होना अधिक आवश्यक है। इसी संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय के दिशानिर्देश एक आशा की किरण के रूप में सामने आते हैं। इन दिशानिर्देशों में न केवल मरीजों के अधिकारों की रक्षा की बात की गई है, बल्कि अस्पतालों की जवाबदेही भी सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है।

- ललित गर्ग

लोकतंत्र की सांस है आजाद मीडिया

हर वर्ष 3 मई को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। यह दिन केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को मजबूत करने का अवसर है। किसी भी देश में प्रेस की स्वतंत्रता इस बात का प्रमाण होती है कि वहां अभिव्यक्ति की कितनी आजादी है। जहां मीडिया स्वतंत्र, निष्पक्ष और निर्भीक होता है, वहां जनता जागरूक रहती है, सरकार जवाबदेह रहती है और लोकतंत्र मजबूत होता है।

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस की घोषणा संयुक्त राष्ट्र महासभा ने दिसंबर 1993 में की थी। इसका उद्देश्य दुनिया भर में प्रेस की स्वतंत्रता के महत्व को रेखांकित करना, पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और स्वतंत्र पत्रकारिता के प्रति जनचेतना बढ़ाना था। आज जब सूचना का युग अपने चरम पर है, तब यह दिवस और भी अधिक प्रासंगिक हो गया है।

मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है। विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के साथ-साथ प्रेस जनता और सत्ता के बीच सेतु का काम करता है। मीडिया सरकार की नीतियों, योजनाओं और कार्यप्रणाली पर नजर रखता है तथा जनता की समस्याओं को सामने लाता है। यही कारण है कि स्वतंत्र मीडिया किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अनिवार्य है।

लेकिन आज सबसे बड़ी चिंता यह है कि सच सामने लाने वाले पत्रकार खुद असुरक्षित होते जा रहे हैं। दुनिया भर में पत्रकारों को धमकियां दी जाती हैं, उन पर हमले होते हैं, झूठे मुकदमे दर्ज किए जाते हैं और कई बार उनकी हत्या तक कर दी जाती है। भारत में भी ऐसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। कई पत्रकार भ्रष्टाचार, अपराध और सत्ता के दुरुपयोग का पर्दाफाश करते हुए अपनी जान गंवा चुके हैं। यह स्थिति किसी भी लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं कही जा सकती।

बाबूलाल नागा

यह पत्रकारिता का वह ...

डॉ. शैलेश शुक्ला

कलम का कालजयी कारवांः हिंदी पत्रकारिता की 200 वर्षों की कालजयी कीर्ति

हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्षों का वृत्तांत केवल एक भाषायी माध्यम की विकास गाथा नहीं है, बल्कि यह भारत के उस 'बौद्धिक पुनर्जागरण' का दस्तावेज है जिसने औपनिवेशिक दासता से लेकर लोकतांत्रिक स्वाधीनता तक की यात्रा में भारतीय जनमानस की चेतना को परिष्कृत किया है। 1826 में कलकत्ता के एक छोटे से प्रेस से 'उदन्त मार्तण्ड' के रूप में प्रस्फुटित हुई यह धारा आज वैश्विक डिजिटल परिदृश्य का एक विशाल महासागर बन चुकी है। इस यात्रा को समझने के लिए हमें उस युग की विसंगतियों और संघर्षों के साथ वर्तमान के सूचना-तंत्र के जटिल ताने-बाने का समानांतर अवलोकन करना होगा। जब पंडित युगल किशोर शुक्ल ने हिंदी पत्रकारिता का बीजारोपण किया, तब भारत में संचार का कोई व्यवस्थित ढांचा नहीं था, और हिंदी को राजद-रबारी या साहित्यिक भाषा के रूप में देखा जाता था, किंतु पत्रकारिता ने उसे 'जनभाषा' के रूप में प्रतिष्ठित कर एक ऐसे वैचारिक आंदोलन को जन्म दिया, जिसने आने वाली पीढ़ियों के लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का द्वार खोला। पत्रकारिता का वह प्रारंभिक युग समर्पण का युग था, जहाँ संपादक स्वयं लेखक, मुद्रक और वितरक की भूमिका निभाते थे, और उनका एकमात्र उद्देश्य सत्य की प्रतिष्ठा और समाज की कुरीतियों के विरुद्ध एक सजग

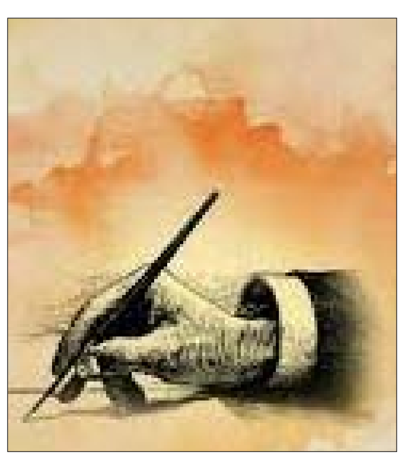

प्रहरी के रूप में कार्य करना था।

यह पत्रकारिता का वह गौरवपूर्ण कालखंड था जिसमें 'बनारस अखबार', 'सुधाकर', और 'हिंदी प्रदीप' जैसे प्रकाशनों ने भारतीय समाज को आत्म-मंथन के लिए विवश किया। 19वीं सदी के उत्तरार्ध में जब बंगाल नवजागरण की लहर भारत के अन्य हिस्सों में पहुंची, तब हिंदी पत्रकारिता ने उस लहर को भाषा का संबल प्रदान किया। भारतेंदु हरिश्चंद्र के समय में साहित्य और पत्रकारिता का जो अद्भुत संगम हुआ, उसने हिंदी को एक राष्ट्रीय भाषा के रूप में स्थापित करने की दिशा में निर्णायक कदम उठाए। महावीर प्रसाद द्विवेदी द्वारा 'सरस्वती' के संपादन काल ने हिंदी भाषा को व्याकरणिक और शैलीगत परिपक्वता प्रदान की, जिससे पत्रकारिता का स्तर न केवल बढ़ा, बल्कि वह बौद्धिक विमर्श का केंद्र बन गई। यह वह समय था जब पत्रकारिता ने शिक्षा, सामाजिक सुधार, और धार्मिक पाखंडों के विरोध को अपना मुख्य एजेंडा बनाया था। पत्रकारों का वर्ग उस समय उच्च शिक्षित और त्यागी श्रेणी का था, जो अपनी जीविका के लिए पत्रकारिता नहीं, बल्कि राष्ट्र की सेवा के लिए इसे अपनाते थे। उनका लेखन तत्कालीन समाज के घावों पर मरहम भी लगाता था और शोषक वर्ग के विरुद्ध एक तार्किक चुनौती भी प्रस्तुत करता था।

स्वाधीनता संग्राम के वर्षों में हिंदी पत्रकारिता ने जिस जुझारूपन का परिचय दिया, वह विश्व के पत्रकारिता इतिहास में अद्वितीय है। गांधी जी, लोकमान्य तिलक, और गणेश शंकर विद्यार्थी जैसे महान विचारकों ने पत्रकारिता को जन-आंदोलन का मुख्य अस्त्र बनाया। 'प्रताप' अखबार के पन्नों में जो वैचारिक धार थी, उसने कानपुर के श्रमिकों से लेकर देशभर के युवाओं को ब्रिटिश शासन की जड़ों को हिलाने के लिए प्रेरित किया। गणेश शंकर विद्यार्थी का व्यक्तित्व इस बात का प्रमाण था कि पत्रकारिता केवल खबरों का संकलन नहीं, बल्कि एक जीवन-दर्शन है। असहयोग और सविनय अवज्ञा आंदोलनों के दौरान हिंदी अखबारों ने सूचनाओं का संचरण ही नहीं किया, बल्कि वे स्वराज के स्वप्न को साकार करने वाले सेतु बने। इस दौरान सेंसरशिप और कठोर दमनकारी कानूनों का सामना करते हुए भी हिंदी पत्रकारों ने अपनी लेखनी को झुकने नहीं दिया। बालमुकुंद गुप्त ने जब 'शिवशंभु के चिट्ठे' लिखे, तो वे केवल व्यंग्य नहीं थे, बल्कि औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध एक तीखा वैचारिक प्रहार थे। हिंदी पत्रकारिता ने तब यह सिद्ध किया कि एक स्वतंत्र राष्ट्र का आधार तभी मजबूत हो सकता है जब उसका मीडिया निर्भीक और जनता के प्रति पूर्णतया जवाबदेह हो। आजादी के बाद, जब भारत ने अपने संविधान को अपनाया, तब हिंदी पत्रकारिता के सामने एक नया दायित्व आया—लोकतंत्र की रखवाली। 'नवभारत', 'आज', 'नई दुनिया', 'अमर उजाला', और 'दैनिक जागरण' जैसे समाचार पत्रों ने नवोदित भारतीय लोकतंत्र को दिशा देने का कार्य किया।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना से नीरज दुबे ने गढ़ी आत्मनिर्भरता की मिसाल

उत्तर प्रदेश को स्वावलंबी और उद्यमशील राज्य बनाने के माननीय मुख्यमंत्री जी के विजन को साकार करने में 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना' एक मील का पत्थर साबित हो रही है। इस महत्वाकांक्षी योजना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के शिक्षित और कुशल युवाओं को रोजगार मांगने वाले की बजाय 'रोजगार देने वाला' (जॉब क्रिएटर) बनाना है। योजना के अंतर्गत सूक्ष्म उद्यम स्थ् ापित करने के लिए युवाओं को प्रथम चरण में ₹5.0 लाख तक का ब्याज मुक्त ऋण (अथवा वित्तीय सहायता) सुगमता से उपलब्ध कराया जाता है। इसके सफल संचालन और ऋण अदायगी के उपरांत, उद्यम के विस्तार हेतु द्वितीय चरण मे ं भी वित्तीय सहायता का भी प्रावध् ान है। इसमें न केवल पूंजीगत लाभ है, बल्कि युवाओ ं को उद्योग लगाने हेतु तकनीकी बारीकियों और बाजार की रणनीतियों से भी अवगत कराया जाता है। प्रदेश सरकार की इसी कल्याणकारी योजना के सुदृढ़ धरातल पर जनपद अमेठी के अंतर्गत बालीपुर, सवनगी के निवासी नीरज दुबे ने आत्मनिर्भरता की एक जीवंत मिसाल कायम की है। नीरज की जीवन यात्रा आज के उन तमाम युवाओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद अपने सपनो ं को साकार करने का जज्बा रखते हैं। एक समय था जब नीरज आर्थिक अस्थिरता और रोजगार के स्थायी साधनों की कमी के कारण अपने भविष्य को लेकर संशय मे ं थे। उनके पास उद्यमशीलता का विचार तो थ् ा, लेकिन पूंजी का अभाव उनके कदमों को आगे बढ़ने से रोक रहा था। ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना' उनके लिए आशा की एक नई किरण बनकर आई और उनके सपनों को उड़ान दी। नीरज दुबे के इस साहसिक सफर में जिला प्रशासन की भूमिका एक मार्गदर्शक और उत्प्रेरक के रूप में रही है। जिला प्रशासन के सक्रिय सहयोग और पारदर्शी कार्यप्रणाली के कारण ही योजना का लाभ उन तक सुगमता से पहुंच सका। जब नीरज ने उद्योग विभाग द्वारा आयोजित जागरूकता शिविर मे ं 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना' के वित्तीय लाभों के बारे में विस्तार से जाना, तो उनके मन में वर्षों से दबा स्वरोजगार का सपना फिर से जाग उठा। जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों ने आवेदन की प्रक्रिया से लेकर प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने तक नीरज का हर कदम पर मार्गदर्शन किया। प्रशासन की इसी तत्परता का परिणाम था कि उनके आवेदन को त्वरित गति से मंजूरी मिली और योजना के तहत उन्हें 5.0 लाख का ऋण स्वीकृत किया गया। यह धनराशि केवल एक कर्ज नहीं, बल्कि नीरज के उद्यमी बनने के सपने की ठोस नींव थी। जिला प्रश् ासन ने यह भी सुनिश्चित किया कि वित्तीय सहायता मिलने के बाद नीरज को कच्चा माल प्राप्त करने और मशीनरी स्थापित करने में कोई तकनीकी बाधा न आए, जिससे उनके आत्मविश्वास को और मजबूती मिली। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना से मिली इस संजीवनी का नीरज दुबे ने भरपूर सदुपयोग किया। उन्होंने प्राप्त ऋण राशि से दोना-पत्तल निर्माण की एक आधुनिक इकाई स्थापित की और उच्च श्रेणी की मशीनरी खरीदी।

जरा हटके

पर्यावरण संरक्षण...

रवि यादव

प्रदेश सरकार द्वारा वन्यजीवों को दिये गये संरक्षण से उनकी संख्या में हुई बढ़ोत्तरी

लखनऊः 01 मई, 2026 वन और वन्यजीव इस धरती की प्राकृतिक धरोहर है। वनों और वन्यजीवों से पारिस्थितिकीय संतुलन बना रहता है, जो मानव जीवन को समृद्ध और सुखमय बनाते हैं। भारत में विभिन्न प्रजातियों के कई वन्यजीवो ं का वास है। वन्यजीव भी प्राणी हैं। मानव की तरह उनमें भी शरीर के सभी अंग होते है। वन्य प्राणियों में हृदय की धड़कन भी आम मनुष्यों की तरह ही धड़कते है। आज वन्य प्राणियों के प्रभावी संरक्षण व संवर्द्धन हेतु व्यापक जन जागरूकता करते हुए उनके प्रति करूण् ा व स्नेह का भ् ाव जागृत करना जरूरी है। वन्यजीवों को सुरक्षित रखने की हमारी समृद्ध परम्परा का ही परिणाम है कि इस धरती पर शहरीकरण एवं औद्योगिक विकास होने तथा अत्यधिक जैविक दबाव होने पर भी विभिन्न प्रकार के वन, वनस्पतियों एवं वन्यजीव की प्रजातियां जीवित पाई जाती है। धरती की प्राकृतिक सुन्दरता का संतुलन बनाये रखने के लिए विभिन्न प्रजाति के जीवो ं में समन्वय जरूरी होता है। वन्य जीव उस हर वृक्ष, पौधे, जानवर, पक्षी और अन्य जीव को कहा जाता है, जो मानव द्वारा पालतू न बनाया गया हो। जंगली जीव दुनिया के सभी क्षेत्रों रेगिस्तान, वन, घास भूमि, मैदान, पर्वत, जलीय क्षेत्र और शहरी क्षेत्र में भी पाये जाते हैं और मानव बसेरों से दूर वनों-पर्वतों आदि प्राकृतिक वासों में रहते है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में वन्यजीवों के प्राकृतिकवासों, संरक्षण एवं संवर्द्धन हेतु विशेष कार्य किये जा रहे है। वन्य प्राणियों

के प्राकृतिकवास देने और अनुकूल वातावरण बनाये रखने के लिए प्रदेश सरकार ने वृहद् वृक्षारोपण अभियान चलाकर पौधरोपण कराया है। प्रदेश सरकार के 09 वर्षों के कार्यकाल में पूरे प्रदेश में 242.13 करोड़ पौधे रोपित करते हुए वनावरण/वृक्षावरण बढ़ाया गया है। प्रदेश सरकार द्वारा कराये गये वृक्षारोपण से प्रदेश में वर्ष 2017 से 2023 तक 03 लाख 38 हजार एकड़ में वनावरण व वृक्षावरण की वृद्धि हुई है। प्रदेश सरकार ने वन्यजीवों को प्राकृतिक वास देकर उनकी आबादी में बढ़ोत्तरी की है। वन्यजीवो ं को जब प्राकृतिक और उनकी प्रकृति, स्वभाव सहित भरपेट भोजन मिलता रहेगा और नर-मादा प्राकृतिक रूप से मिलेगे तो उनका कुनबा निश्चय ही बढ़ ेगा। प्रदेश सरकार द्वारा की गई व्यवस्था का ही परिणाम है कि प्रदेश में राष्ट्रीय पशु बाघों की संख्या जो 173 थी वह बढ़कर 205 हो गई है। प्रदेश में बाघो ं की संख्या में 18 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। देश में सबसे अधिक 2397 डॉल्फिन उ0प्र0 में है। प्रदेश सरकार ने झीलों, तालाबों की संख्या में बढ़ोत्तरी की है। जो झीले, नदियां, तालाब आदि जल के क्षेत्रों में भराव, घास उगे थे उनकी सफाई, मरम्मत आदि कराकर मूल स्वरूप में लाया गया हैं। प्राकृतिक वातावरण और पूर्ण संरक्षण देने का ही परिण् ाम है कि राज्यपक्षी सारस की संख्या गत वर्षों में 19994 से बढ़कर 20281 हो गई है। राज्यपक्षी सारस को प्रदेशवासी बहुत प्यार करते है और उनके वास से छेड़छाड़ नहीं किया जाता। इसी प्रकार प्रदेश में हाथी की संख्या 232 से बढ़कर 352 हो गई है। प्रदेश के वन क्षेत्रों में हाथियों को पूर्ण संरक्षण दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार प्रदेश के 27 वन्यजीव विहार व पक्षी विहार को संरक्षित कर रही है। इन विहारों में वन्यजीवो ं को प्राकृतवास मिल रहा है और उनका कुनबा बढ़ रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने जनपद चित्रकूट के अन्तर्गत विन्ध्य पर्वतमाला में स्थित लगभग 53000 हेक्टेयर का विश् ालकाय तथा रमणीय वन क्षेत्र, जैव विविधता की दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के कारण 19 अक्टूबर 2022 को रानीपुर टाइगर रिजर्व के नाम से प्रदेश का चौथा टाइगर रिजर्व क्षेत्र के रूप में अधिसूचित किया है। प्रदेश के जनपद गोरखपुर में कैम्पियरगंज रेंज के अन्तर्गत रेडहेडेड गिद्ध संरक्षण एवं प्रजनन केन्द्र बनाकर गिद्धों की संख्या में बढ़ोत्तरी की जा रही है। उत्तर प्रदेश में वेटलैण्डस की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। इन वेटलैण्ड रामसर साइट मे ं पक्षी सहित विभिन्न जलीय जीव-जन्तु निवास करते है। प्रदेश में 12 वेटलैण्ड रामसर साइट घोषित हुए है, जो देश में सर्वाधिक हैं।

पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता को बचाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष नवाब वाजिद अली शाह प्राणी उद्यान में विश्व गौरैया दिवस धूमधाम से मनाया गया। लोगों को गौरैया के महत्व, उसके संरक्षण के लिए समाज की सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित भी किया गया। प्रदेश सरकार का मुख्य उद्देश्य तेजी से घटती गौरैया की संख्या पर उसके संरक्षण के लिए व्यावहारिक उपायों को जन-जन तक पहुंचाना है। कभी घरों के आंगन और छतों पर चहचहाने वाली गौरैया आज शहरीकरण, प्रदूषण और बदलती जीवनशैली के कारण तेजी से गायब हो रही है। गौरैया पर्यावरण के लिए अत्यंत उपयोगी पक्षी है। यह कीड़े-मकोड़ो ं को ख् ाकर फसलों की रक्ष् ा करती है और बीजों के प्रसार मे ं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र संतुलित रहता है। कृत्रिम घोंसले, मिट्टी के बर्तन, पौधे, दाना देना एवं लोगों को अपने घरों में गौरैया के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए प्रदेश सरकार प्रेरित कर रही है। विश्व गौरैया दिवस पहली बार वर्ष 2010 में मनाया गया था। भारत से शुरू हुआ यह अभियान आज वैश्विक स्तर पर फैल चुका है। गौरैया को बचाना केवल एक पक्षी को बचाना नहीं, बल्कि अपने पर्यावरण और भविष्य को सुरक्षित करना है। प्रदेश सरकार द्वारा वन्यजीव सुरक्षा तथा संरक्षित क्षेत्रों के समुचित संरक्षण तथा तकनीकी नवाचार के प्रयोग से वन्यजीवो ं के संरक्षण में नई दिशा मिली है।

लिखा-अब जीना नहीं चाहता, उम्र 34 साल, शादी से गर्लफ्रेंड ने किया था इनकार, मां बोली- परेशान करती थी

दरोगा ने की खुदखुशी

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में 34 साल के दरोगा ने सुसाइड कर लिया। उनका शव किराए के कमरे में फंदे से लटकता मिला। ASI सत्येंद्र वर्मा, पुलिस मुख्यालय पर तैनात थे। पुलिस को मिले चार पन्नों के सुसाइड नोट में लिखा- अब जीने की इच्छा खत्म हो गई है।

शुक्रवार का यह मामला सुशांत गोल्फ सिटी के अहिमामऊ का है। दरोगा मूलरूप से फतेहपुर के तामेश्वर नगर के रहने वाले थे। पुलिस की प्राथमिक जांच में पता चला कि दरोगा की डेढ़ साल पहले इंस्टाग्राम पर युवती से मुलाकात हुई थी। दोनों शादी करना चाहते थे लेकिन बाद में ब्रेकअप हो गया था।

सतेंद्र वर्मा, मृतक

वजह थी कि उसके पिता-भाई रिश्ते के खिलाफ थे। इसके बाद से दरोगा तनाव में थे। मां ने गर्लफ्रेंड पर पैसों के लिए परेशान करने का आरोप लगाया। पुलिस परिजन के आरोपों की भी जांच कर रही है। ASI सत्येंद्र वर्मा, 2023 में एएसआई (एम) के पद पर भर्ती हुए थे। लखनऊ पुलिस मुख्यालय में उनकी तैनाती 25 मार्च, 2024 को पासिंग आउट परेड के बाद की गई थी। लखनऊ के अहिमामऊ में किराए के कमरे में रहते थे। मां सुखरानी के अनुसार, सतेंद्र के पिता की मौत 2011 में हो चुकी थी। वे राजस्व विभाग में कानूनगो पद से रिटायर हुए थे। तीन बहनें संध्या, मधु और नेहा वर्मा हैं। सत्येंद्र तीसरे नंबर पर थे। वह घर के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। कांग्रेस ने दरोगा की मौत पर सवाल उठाए हैं। यूपी कांग्रेस के एक्स हैंडल पर लिखा है-'सिस्टम की घुटन या सुसाइड? खाकी के रक्षक ही अब असुरक्षित। लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी में 34 वर्षीय दरोगा सत्येंद्र वर्मा की सुसाइड की खबर विचलित करने वाली है।

सुशांत गोल्फ सिटी थाने के इंस्पेक्टर राजीव रंजन उपाध्याय ने कहा मृतक की मां की तहरीर के आधार पर आत्महत्या के लिए उकसाने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। सुसाइड नोट और कॉल डिटेल के आधार पर जांच की जा रही है।

दो दिन से मां के कॉल का जवाब नहीं दे रहे थे

दरोगा के चचेरे भाई देवेंद्र वर्मा ने बताया- नौकरी के साथ-साथ वह सिविल सर्विसेस परीक्षा की तैयारी कर रहा था। दो दिन से मां कॉल कर रही थी, लेकिन उसने रिसीव नहीं किया। कॉल रिसीव नहीं करने पर परिजन परेशान हुए तो मुझे बताया। शुक्रवार को मैं भाई के कमरे पर पहुंचा, तो कमरा अंदर से बंद था। अनहोनी की आशंका में मैंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस पहुंची और दरवाजा तोड़ा गया तो वह फंदे से लटक रहा था।

सुसाइड नोट में लिखा- मेरी आत्महत्या का कोई भी व्यक्ति जिम्मेदार नहीं

पुलिस को एएसआई सत्येंद्र वर्मा के कमरे से एक सुसाइड नोट मिला है। बताया जा रहा कि इस लेटर में आत्महत्या के लिए किसी को दोषी नहीं ठहराया है। पुलिस के अनुसार, सुसाइड नोट में लिखा है कि वह पिछले कुछ दिनों से किसी बात को लेकर तनाव में थे। उन्होंने सबसे माफी भी मांगी है। बताया कि वह 2014 में भी काफी परेशान थे, जिसकी जानकारी परिजन को है। उस समय उन्होंने आत्महत्या के बारे में नहीं सोचा था, लेकिन अब जीने की इच्छा खत्म हो गई है।

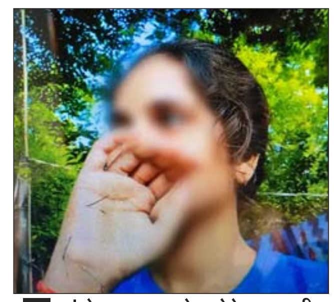
मां ने बताया- दरोगा बेटे का युवती से परिचय इंस्टाग्राम पर हुआ था।

मां का आरोप- एक लड़की मांगती थी पैसे

हालांकि, दरोगा की मां सुखरानी देवी ने एक इंस्टाग्राम फ्रेंड पर ब्लैकमेल कर पैसा लेने का आरोप लगाया है। मां के अनुसार, करीब डेढ़ साल पहले सतेंद्र की पहचान इंस्टाग्राम के जरिए एक युवती से हुई थी। दोनों शादी करना चाहते थे, लेकिन युवती के पिता और भाई के विरोध के कारण रिश्ता टूट गया। इसके बाद युवती ने सतेंद्र से पैसों की मांग शुरू कर दी थी और उसके परिजन सतेंद्र को जान से मारने की धमकी भी देते थे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में 254 शिकायतें दर्ज

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से शनिवार को जनपद की विभिन्न तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील गोवर्धन में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में कार्यक्रम संपन्न हुआ, जहां फरियादियों की समस्याएं सुनकर अधिकारियों को शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि समाधान दिवस का उद्देश्य जनता को त्वरित न्याय दिलाना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि भूमि विवाद सहित अन्य मामलों में मौके पर जाकर सभी पक्षों की उपस्थिति में निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित करें। साथ ही सभी अधिकारी प्रतिदिन प्रातः 10

से 12 बजे तक कार्यालय में उपस्थित रहकर जनसमस्याएं सुनें और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें।

समाधान दिवस के दौरान विभिन्न तहसीलों में कुल 254 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 30 का मौके पर निस्तारण किया गया। गोवर्धन तहसील में 68 में से 11, मांट में 42 में से 5, महावन में 30 में से 6, छाता में 52 में से 1 तथा सदर तहसील में 62 में से 7 शिकायतों का तत्काल समाधान कराया गया। प्रशासन ने शेष शिकायतों के शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया है।

खतौनी सुधार, मृत्यु प्रमाण पत्र व पात्रता से जुड़े मामलों का मिनटों में निस्तारण

बाराबंकी। जनसामान्य की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के उद्देश्य से तहसील रामनगर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक,एसडीएम रामनगर आनंद कुमार तिवारी सहित समस्त जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए जिन प्रकरणों में तत्काल राहत संभव थी, उनका मौके पर ही निस्तारण सुनिश्चित कराया, जिससे लोगों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। ग्राम अमोलीकला निवासी रमाकांत सिंह एवं पुरैना निवासी श्रीमती झिन्ना द्वारा प्रस्तुत खतौनी में लिपिकीय त्रुटि के प्रकरण पर जिलाधिकारी ने संबंधित कार्मिक को तलब कर तत्काल सुधार करवाते हुए संशोधित खतौनी उपलब्ध कराई।

शादी समारोह में बवाल

मारपीट व लूट का आरोप पीड़ित एकतरफा कार्रवाई से नाराज होकर, की एसपी से शिकायत

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र से एक मारपीट का मामला सामने आया है, जहां एक शादी समारोह के दौरान कथित तौर पर मारपीट, लूट और दहशत फैलाने की घटना सामने आई है। मामले में कार्रवाई न होने से आक्रोशित पीड़ित ने शनिवार को पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय को प्रार्थना पत्र देकर निष्पक्ष जांच और एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम कन्दरवल कलां थाना रामनगर निवासी दिवाकर पुत्र रामनरेश वर्मा ने पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि वह 26 अप्रैल 2026 को अपने भतीजे अरुणेश कुमार के विवाह समारोह में शामिल होने ग्राम दादनपुर स्थित आशा मैरिज लॉन गए थे। रात करीब 11:30 बजे डांस कार्यक्रम के दौरान ग्राम औरंगाबाद थाना फतेहपुर निवासी सर्वेश, सुभाष पुत्रगण हंसराज समेत करीब 20 अज्ञात लोग वहां पहुंचे और किसी बात को लेकर विवाद शुरू कर दिया।

आरोप है कि विवाद के दौरान विपक्षीगणों ने प्रार्थी के नाबालिग पुत्र ओम प्रताप (15 वर्ष) से झगड़ा किया और माहौल को तनावपूर्ण बना दिया। इसी बीच हंगामे का फायदा उठाकर प्रार्थी के भतीजे के गले से चांदी की चेन और बैग में रखे लगभग 60 हजार रुपये छीन लिए गए। पीड़ित ने आरोप लगाया कि बीच-बचाव करने पहुंचे उसके भतीजे रवि पुत्र सीताराम पर लोहे की रॉड से हमला किया गया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई। वहीं बराती दुर्गा पुत्र ओम प्रकाश पर भी बांका से हमला कर दिया गया, जिससे वह घायल होकर बेहोश हो गया। घटना की सूचना तत्काल डायल 112 पर दी गई, लेकिन पीड़ित का आरोप है कि पुलिस मौके पर पहुंचकर स्थिति को पूरी तरह नियंत्रित नहीं कर सकी। बाद में थाना मोहम्मदपुर खाला की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को शांत कराया, जिसके बाद विवाह कार्यक्रम किसी तरह संपन्न हुआ। पीड़ित दिवाकर का यह भी आरोप है कि घटना के बाद विपक्षीगणों ने खुलेआम धमकी दी कि वे उन पर ही गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करा देंगे और उनका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे। दिवाकर के अनुसार, उसने 27 अप्रैल 2026 को थाना मोहम्मदपुर खाला में लिखित शिकायत दी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। पुलिस ने एक तरफा कार्रवाई कर मुकदमा दर्ज कर दिया।

डिप्टी सीएम का आदेश बड़ा या डॉक्टर लईक अहमद का बचाव बरेली प्रशासनिक परीक्षा

केशव प्रसाद की नाराजगी के बावजूद कार्रवाई लंबित

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली । बीते शनिवार को दौरे पर रहे डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया था और कलेक्ट्रेट सभागार में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक भी की थी और शिकायतों के बढ़ते दबाव के बीच हुई समीक्षा बैठक में स्वास्थ्य विभाग के कामकाज पर सख्ती साफ नजर आई थी। बैठक के दौरान कई मामलों पर चर्चा हुई, लेकिन जिले में तैनात डिप्टी सीएमओ डॉ. लईक अहमद से जुड़ा प्रकरण खास तौर पर फोकस में रहा। सूत्रों के अनुसार, डिप्टी सीएमओ डॉ. लईक अहमद के खिलाफ मिल रही कथित रूप से अवैध वसूली की शिकायतें गंभीरता से बैठक में सामने आईं और उनकी

कार्यशैली को लेकर सवाल खड़े किए गए, और अहम सूत्रों के मुताबिक डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने डॉ लईक अहमद को तत्काल हटाने के निर्देश भी दिए थे और डिप्टी सीएम ने अधिकारियों को स्पष्ट संकेत दिए कि शिकायतों को हल्के में नहीं लिया जाएगा और जवाबदेही तय की जाएगी। हालांकि, इस पूरे मामले में अभी तक कोई औपचारिक कार्रवाई नहीं की गई है। लेकिन जिस तरह से बैठक में इस मुद्दे को प्रमुखता मिली है, उससे यह साफ है कि मामला अब प्रशासन की सीधी निगरानी में आ गया है।

> बैठक में यह भी दोहराया गया कि अगर शिकायतें सही पाई जाती हैं, तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ सख्त कदम उठाने में कोई हिचक नहीं होगी, फिलहाल, डॉ. लईक अहमद का मामले में अब कार्रवाई जिले स्तर पर नजर नहीं आ रही है, फिलहाल देखना होगा कि डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के आदेशों पर क्या कार्रवाई होती है।

राष्ट्रीय संगोष्ठी 'भारतीय भाषाओं में ज्ञान परंपरा' का आयोजन

द्वितीय दिवस का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती की वंदना के साथ हुआ

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR), दिल्ली, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, दिल्ली एवं हिंदी विभाग, बरेली कॉलेज, बरेली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "भारतीय भाषाओं में ज्ञान परंपरा" का द्वितीय दिवस गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में देशभर से जुड़े विद्वानों, शिक्षकों, शोधार्थियों एवं प्रतिभागियों ने ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से सक्रिय सहभागिता की।

यह संपूर्ण कार्यक्रम बरेली कॉलेज, बरेली के प्राचार्य प्रोफेसर ओम प्रकाश राय के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन सचिव प्रोफेसर मनु प्रताप सिंह ने कार्यक्रम

> आयोजन सचिव प्रो. मनु प्रताप सिंह एवं संयोजक प्रो. परमजीत कौर के कुशल निर्देशन में संगोष्ठी का सफलतापूर्वक संचालन संपन्न हुआ। प्रो. मनु प्रताप सिंह के प्रभावी नेतृत्व एवं समन्वय के कारण कार्यक्रम सुव्यवस्थित एवं सफल रहा।

के सफल संचालन एवं समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। द्वितीय दिवस का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती की वंदना के साथ हुआ। प्रो. सुषमा गोंदियाल ने मंचासीन अतिथियों का परिचय कराते हुए उनका स्वागत किया।

तथा संगोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुत की। उद्घाटन सत्र में वक्ताओं ने कहा कि भारतीय भाषाएँ केवल संचार का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत और ज्ञान परंपरा की आधारशिला हैं। मुख्य वक्ता प्रो. अरुण कुमार ने भारतीय भाषाओं को सभ्यताओं से जोड़ते हुए उनके विकास पर प्रकाश डाला।

4 दिन पहले लड़के पर एफआईआर कराई थी, आंशका- लड़की को मारकर फंदे पर झूला

वृंदावन में गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड की बंद कमरे में लाश मिली

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा । मथुरा में गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड की लाश शुक्रवार देर रात बंद कमरे में मिली। 28 साल की लड़की बेड की डेडबॉडी पड़ी थी, जबकि 24 साल का युवक फंदे से लटका हुआ था। पुलिस को शक है कि लड़के ने लड़की की गला दबाकर हत्या की, फिर खुद फंदे से झूल गया। वारदात का पता उस वक्त चला, जब लड़की के रूम का दरवाजा काफी देर तक नहीं खुला। पड़ोसियों ने पुलिस बुलाई। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शवों को निकाला। घटना कोतवाली वृंदावन इलाके की है। पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि दोनों में एक साल से अफेयर था। पिछले कुछ दिनों से दोनों में किसी बात को लेकर

विवाद चल रहा था। 28 अप्रैल को लड़की ने युवक के खिलाफ FIR भी कराई थी। इससे युवक नाराज था।

पुलिस ने लोगों से पूछताछ की तो पता चला कि लड़की मथुरा के लक्ष्मी नगर इलाके की रहने वाली थी। वह 8-10 साल से परिवार से अलग वृंदावन में रहती थी। वह 4 साल से दुर्गापुरम कॉलोनी में किराए पर कमरा लेकर रह रही थी। छाता के तरौली गांव के रहने वाले सुभाष से उसका अफेयर था। सुभाष के बुआ के बेटे राहुल ने बताया- राधिका और उसके बीच कुछ दिनों पहले किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था, जिसके बाद राधिका ने 28 अप्रैल को उसके खिलाफ छेड़खानी की FIR कराई थी।

राहुल ने बताया- सुभाष ने बी-फार्मा की पढ़ाई कर रखी थी। हालांकि, अभी नौकरी नहीं कर रहा था। गुरुवार रात सुभाष ने खाना खाया और सभी से अच्छे से बात की।

कमरा नहीं खुला तो पड़ोसियों ने पुलिस बुलाई

दुर्गापुरम कॉलोनी में राधिका किराए पर कमरा लेकर रहती थी। उसकी पड़ोसी गुंजन ने बताया- शुक्रवार रात 9.30 बजे वह गारमेंट्स शॉप पर काम कर घर लौटी। उस वक्त घर के बाहर भीड़ जमा थी। कुछ लड़के-लड़कियों ने बताया कि राधिका के कमरे का दरवाजा नहीं खुल रहा है। मैंने लोगों से कहा- पुलिस को सूचना दीजिए। रात करीब 10 बजे वृंदावन पुलिस को सूचना दी गई। थोड़ी देर बाद ही पुलिस मौके पर पहुंच गई।

इसी मकान में लड़की 4 साल से अपने परिवार से अलग होकर किराए पर कमरा लेकर रह रही थी।

सीओ ने खिड़की से झांका तो लड़के का शव लटका दिखा

सीओ सदर पीतम पाल सिंह ने खिड़की से अंदर झांका तो एक युवक फंदे से लटकता हुआ दिखाई दिया। फौरन फॉरेंसिक टीम को सूचना दी। इसके बाद लोगों की मदद से कमरे का दरवाजा तोड़ा गया। 10 फीट चौड़े और 10 फीट लंबे कमरे में युवक का शव छत पर लगे कुंडे से लटका हुआ था, जबकि युवती का शव बेड पर पड़ा था। उसने लाल रंग की टी-शर्ट पहनी हुई थी, जबकि सुभाष ने काले रंग की शर्ट और पैंट पहनी हुई थी।

कार्रवाई : इनमें 2 बीवी, सास-साली और सलहज, तीसरी टीचर पत्नी जमानत पर

करोड़पति चपरासी के 7 रिश्तेदार अरेस्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

पीलीभीत। पीलीभीत पुलिस ने शुक्रवार को तीन बीवी रखने वाले करोड़पति चपरासी इलहाम-उर्र-रहमान शम्सी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने करोड़ों के घोटाले में शामिल उसकी 2 पत्नी लुबना और अजारा खान, साली फातिमा, सास नाहिद, रिश्तेदार आफिया खान, परिचित परवीन खातून और आशकारा परवीन को गिरफ्तार किया है।

इलहाम की पहली पत्नी अर्शी खातून को पुलिस पहले ही जेल भेज चुकी थी। वह इस समय जमानत पर जेल से बाहर है।

आरोपी चपरासी जिला मुख्यालय से 40 किमी दूर बीसलपुर इंटर कॉलेज में तैनात था। आठ साल पहले उसने जुगाड़ से जिला

इलहाम, आरोपी चपरासी

विद्यालय निरीक्षक (DIOS) ऑफिस में अटैचमेंट ले लिया। फिर वह सैलरी के लिए टोकन जनरेट करने आदि जैसे काम भी देखने लगा। उसने तीनों पत्नियों, सास–साली समेत अपने रिश्तेदारों को टीचर, बाबू और ठेकेदार बना दिया।

2026 के फरवरी महीने में बैंक ऑफ बड़ौदा के मैनेजर ने पीलीभीत डीएम ज्ञानेंद्र सिंह को एक पत्र भेजा। उसमें बताया गया कि ट्रेजरी ऑफिस से 1 करोड़ 15 लाख रुपए एक निजी बैंक खाते में ट्रांसफर किए गए हैं। इसके बाद डीएम ने तीन सदस्य जांच कमेटी गठित की। जांच के दौरान खुलासा हुआ कि DIOS ऑफिस से करीब 8 साल से फर्जी शिक्षकों को दर्शाकर निजी बैंक खातों में धनराशि भेजने का खेल चल रहा है।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी इलहाम की तीन पत्नियां हैं। सभी अलग-अलग जगहों पर रहती थीं।

सातों के खाते में 8 करोड़ 15 लाख ट्रांसफर किए

जांच के दौरान पुलिस को अभी तक 53 ऐसे बैंक खाते मिले हैं, जिसमें घोटाले की रकम ट्रांसफर की गई है। जिन 7 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा है, उनके खातों में 8 सालों में अब तक 8 करोड़ 15 लाख रुपए ट्रांसफर हुए थे। ये रकम सैलरी और कॉलेज में फर्जी काम कराने के नाम पर भेजी गई थी। पुलिस ने अलग-अलग बैंक खातों में जमा 5 करोड़ 50 लाख रुपए की धनराशि को फ्रीज करा दिया है।

फर्जी सैलरी टोकन जनरेट करता था

जांच में मास्टरमाइंड के तौर पर चपरासी इलहाम का नाम सामने आया। पता लगा कि DIOS ऑफिस के चपरासी ने फर्जी सैलरी के टोकन जनरेट कर अपने रिश्तेदारों के अकाउंट नंबर का प्रयोग किया। लेकिन नाम किसी और के दिखाए। करोड़ों रुपए का सरकारी पैसा अपनी तीन पत्नियों और साली समेत अन्य रिश्तेदारों के खातों में ट्रांसफर किया।

अपने ही खेत से तरबूज तोड़ने पर बच्चे की हत्या चाकू से पूरा चेहरा गोद डाला

पिता बोले- बेटे की आंख तक निकाल ली

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में अपने ही खेत से तरबूज तोड़ने पर 13 साल के बच्चे की हत्या कर दी गई। हमलावरों ने उसके चेहरे पर इतने चाकू मारे कि पहचानना मुश्किल हो गया। पिता ने बताया कि मेरे बेटे की एक आंख तक बाहर आ गई।

मेरा बेटा शुक्रवार दोपहर को घर से गया था। देर शाम तक घर नहीं लौटने पर हम लोगों ने तलाश शुरू की। तभी बेटी ने भाई का शव खेत में पड़ा देखा। खेत को बंटाई पर लेने वाले लोगों ने बेटे की हत्या की है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। घटना बसई जगनेर के सोनी खेड़ा गांव की है।

सोनी खेड़ा गांव के नरेश कुशवाह अपने परिवार के साथ रहते हैं। उन्होंने अपना खेत गांव के ही एक मुस्लिम व्यक्ति को बंटाई पर दे रखा है। जो सब्जी बेचने का काम करता है। बंटाई पर दिए खेत में तरबूज की खेती की गई है। शुक्रवार दोपहर में नरेश का 13 साल का बेटा अवनी खेतों पर तरबूज लेने गया था। उसके बाद वो शाम 5 बजे तक घर वापस नहीं आया। जब अवनी कई घंटे तक वापस नहीं आया तो परिवार वालों ने उसकी तलाश शुरू की। नरेश की बेटी भी भाई को खोजने निकली। उसने खेत में खून से लथपथ अवनी का शव पड़ा देखा।

हालात संभालने पहुंची 3 थानों की फोर्स

इसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेने की कोशिश की। इस दौरान मृतक के परिजन पुलिस की गाड़ी के आगे बैठ गए। मृतक के पिता नरेश ने आरोप लगाया कि खेत को बंटाई पर लेने वाले लोगों ने तरबूज तोड़ने के विवाद में उसके बेटे की हत्या कर दी।

इंस्पेक्टर को वॉट्सएप किया, बोला- अब यूपी पुलिस न्याय करे, एक्सिस बैंक में फील्ड ऑफिसर के पद पर कार्यरत थे

दिल्ली के बीजेपी नेता ने ससुराल के बाहर जान दी

विनोद ने करीब 9 मिनट की वॉयस रिकॉर्डिंग परिवार वालों, दोस्तों के अलावा बर्रा इंस्पेक्टर रवींद्र श्रीवास्तव को भेजी। तबीयत बिगड़ने पर दोस्त ने परिजनों को जानकारी दी। आनन-फानन में उन्हें हैलट अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

विनोद मिश्रा के परिवार के लोग कन्नौज से कानपुर पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे।

खुदखुशी

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। दिल्ली के रहने वाले भाजपा नेता ने कानपुर में ससुराल के बाहर जहर खाकर जान दे दी। मौत से पहले उसने वॉट्सएप पर ऑडियो रिकॉर्ड किया। इसे पुलिस और परिवार वालों को भेजा। भाजपा नेता ने कहा यूपी पुलिस आप न्याय करना। मैं मरने जा रहा।

बर्रा पुलिस को मिले ऑडियो में भाजपा नेता ने कहा- मैं मरना नहीं चाहता, लेकिन ससुरालवालों ने मुझे मारने की पूरी प्लानिंग की थी। इन्होंने ऐसा व्यूह रचा कि मैं खुद सुसाइड

विनोद कुमार मिश्रा मूलरूप से कन्नौज के रहने वाले थे। बर्रा की रहने वाली अनीता उर्फ आरती मिश्रा से उनकी 16 साल पहले शादी हुई थी। (फाइल फोटो)

कर लूं। मेरी सास बहुत दिनों से पीछे पड़ी हुई थी, घर में तोड़फोड़ करना, मेरी पत्नी को बरगलाना, इसके बाएं हाथ का खेल था। दोस्तों ने वॉट्सएप पर ऑडियो मिलते ही उनके चाचा से संपर्क किया। चाचा ने विनोद को इलाज के लिए हैलट में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना गुरुवार देर रात बर्रा इलाके की है। कन्नौज के रहने वाले विनोद कुमार मिश्रा (38) दिल्ली में नरैला के भाजपा मंडल अध्यक्ष थे।

मरने से पहले अयोध्या दर्शन करने गया था

विनोद ने फोन कर पत्नी को आने को कहा तो दोनों के बीच झगड़ा होने लगा। 26 अप्रैल को विनोद पत्नी को घर ले जाने के लिए मायके पहुंचे। लेकिन ससुराल वालों ने उसे मिलने नहीं दिया। इसके बाद विनोद ने मामले की शिकायत बर्रा पुलिस से की। पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने बुलाया, लेकिन आरती थाने नहीं पहुंची। इसके बाद विनोद अपने चाचा के घर चले गए। आरके मिश्रा ने बताया कि बुधवार को विनोद अपने दोस्त मनीष के साथ अयोध्या रामलला के दर्शन करने गए थे। गुरुवार को वह वापस लौटे और पत्नी को प्रसाद देने के लिए ससुराल गए। पत्नी से घर चलने को कहा तो दोनों में कहासुनी होने लगी। इसके बाद वह ससुराल से बाहर निकले और जहर खा लिया।

पत्नी के मायके जाने को लेकर झगड़ा होता था

कन्नौज के तालिग्राम, नेपालपुर निवासी विनोद कुमार मिश्रा दिल्ली के एक्सिस बैंक में फील्ड ऑफिसर के पद पर कार्यरत थे। बर्रा विश्व बैंक कॉलोनी निवासी चाचा आरके मिश्रा ने बताया कि विनोद की शादी 16 साल पहले बर्रा में रहने वाली अनीता उर्फ आरती मिश्रा के साथ हुई थी। उनके तीन बच्चे कार्तिक, पीहू और अटल हैं। विनोद दिल्ली में ही परिवार के साथ रहते थे। कार्तिक नरेला स्थित डीएवी कॉलेज में 10वीं, पीहू 9वीं की छात्रा है। जबकि सबसे छोटा बेटा अटल एयरफोर्स स्कूल में कक्षा 4 का छात्र है। दिल्ली नगर निगम में कांग्रेस पार्टी से पार्षद का चुनाव लड़ने के बाद विनोद भाजपा में शामिल हुए थे। इसके बाद उन्हें नरैला का मंडल अध्यक्ष बनाया गया था। विनोद का अक्सर पत्नी के मायके जाने को लेकर झगड़ा होता था।

फर्जी डॉक्टर के इलाज से किशोरी की मौत

महराजगंज में 6वीं पास झोलाछाप गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

महराजगंज । महराजगंज जनपद के सदर कोतवाली थाना क्षेत्र के कटहरा खास गांव में एक किशोरी की मौत गलत इलाज के कारण हो गई। आरोप है कि एक फर्जी डॉक्टर ने उसे इंजेक्शन लगाया था। इस घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, किशोरी को फोड़ा-फुंसी की समस्या थी। परिजन उसे गांव में ही एक निजी क्लिनिक ले गए, जिसे एक व्यक्ति डॉक्टर बताकर चला रहा था। आरोप है कि उस व्यक्ति ने बिना उचित जांच के किशोरी को इंजेक्शन दिया, जिसके बाद उसकी हालत बिगड़ गई। किशोरी ने जल्द ही दम तोड़ दिया। किशोरी की मौत के बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और

आरोपी झोलाछाप डॉक्टर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी के पास चिकित्सा से संबंधित कोई वैध डिग्री या रजिस्ट्रेशन नहीं था। उसकी शैक्षिक योग्यता केवल 6वीं पास है।

यह घटना ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध रूप से संचालित क्लीनिकों और फर्जी डॉक्टरों के नेटवर्क को उजागर करती है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि ऐसे कई चिकित्सक बिना किसी रोक-टोक के काम कर रहे हैं, और स्वास्थ्य विभाग द्वारा उन पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती।

फास्ट न्यूज

स्मार्ट प्रीपेड के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

कानपुर । कानपुर में शनिवार महानगर कांग्रेस ने जिलाध्यक्ष पवन गुप्ता के नेतृत्व में केस्को मुख्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया गया। कार्यकर्ताओं ने अपने शरीर पर बिजली के तार बांधकर और हाथों में पोस्टर लेकर स्मार्ट/प्रीपेड मीटर की खामियों, अघोषित बिजली कटौती और शिकायत निस्तारण में लापरवाही के खिलाफ नारेबाजी की।

केडीए के '9 मीटर' वाले नियम पर भड़के व्यापारी

कानपुर। कानपुर शहर के पुराने और घने बाजारों के अस्तित्व पर केडीए (कानपुर विकास प्राधिकरण) का एक नया नियम भारी पड़ता दिख रहा है। 9 मीटर से कम चौड़ी सड़कों पर नक्शा पास न करने के फैसले के खिलाफ व्यापारियों ने अब आर-पार की जंग का ऐलान कर दिया है।

कोपरगंज में आयोजित 'व्यापारी उद्यमी संवाद' में भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल ने दो टूक कहा कि अगर यह नियम वापस नहीं लिया गया, तो कानपुर से लेकर लखनऊ तक विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

डॉक्टर पिता ने सिंगापुर नहीं जाने दिया तो सुसाइड किया

आगरा । आगरा में डॉक्टर पिता की लाइसेंसी रिवॉल्वर से बेटे ने खुद को उड़ा लिया। घर में अचानक गोली चलने की आवाज सुनकर घरवाले कमरे की तरफ दौड़े, तो बेटे को खून से लथपथ पाया।

आनन-फानन घरवाले बेटे को अस्पताल में लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घरवालों के बयान दर्ज कर शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

मथुरा जेल में बंद रिटायर्ड फौजी की मौत

हार्ट अटैक की आशंका से मचा हड़कंप

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। जिला कारागार में बंद एक रिटायर्ड फौजी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान कुशलपाल पाल के रूप में हुई है, जो थाना नौहझील क्षेत्र का निवासी बताया जा रहा है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कुशलपाल पाल की मौत हार्ट अटैक से होना बताई जा रही है, हालांकि वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। बताया जा रहा है कि मृतक पिछले करीब चार महीनों से हत्या के प्रयास के मामले में मथुरा जेल में बंद था। उसके खिलाफ पहले से भी गंभीर आपराधिक मामले दर्ज बताए जा रहे हैं। जेल प्रशासन के मुताबिक, अचानक तबीयत बिगड़ने पर बंदी को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारियों में हड़कंप मच गया और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जेल प्रशासन का कहना है कि बंदी की तबीयत अचानक खराब हुई थी, जिसके चलते यह घटना हुई। परिजनों को सूचना दे दी गई है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दूल्हे की तीन गोली मारकर हत्या

ओवरटेक करके बारात रोकी, फिर अंधाधुंध फायरिंग की

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में बारात लेकर जा रहे 22 साल के दूल्हे की गोली मारकर हत्या कर दी गई। शुक्रवार रात 9 बजे दो बाइक सवार नकाबपोश बदमाशों ने ओवरटेक करके दूल्हे की कार को रोका और अंधाधुंध फायरिंग करने लगे। दूल्हे के पेट में दो और जबड़े पर एक गोली लगी। उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

वारदात के बाद जब तक लोग कुछ समझ पाते, आरोपी वहां से फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बारातियों से पूछताछ की। मामला जिला मुख्यालय से 25 किमी दूर खेतासराय थाना क्षेत्र का है। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के बडऊर गांव के रहने वाले

रामलखन के बेटे आजाद की शुक्रवार को शादी थी। आजाद पुणे में एक प्राइवेट कंपनी में काम करता था। उसकी बारात 20 किमी दूर खेतासराय थाना क्षेत्र के बीबीपुर गांव के लिए रात 8 बजे निकली। बारात में तीन गाड़ियां थीं।

एक में दूल्हा और बाकी दोनों गाड़ियों में परिवार के लोग बैठे थे। दूल्हे के छोटे भाई आकाश ने बताया- भाई मोबाइल में व्यस्त था। मनेछा गांव के पास बाइक पर सवार दो नकाबपोश बदमाश आए। बाइक की नंबर प्लेट पर कपड़ा बंधा हुआ था। बदमाशों ने ओवरटेक कर दूल्हे की गाड़ी रोकी और फायरिंग करने लगे। आकाश ने बताया- दूल्हे को तीन गोलियां लग गईं। गाड़ी का ड्राइवर दूल्हे को छोड़कर जान बचाकर भाग गया। दूल्हे की गाड़ी के पीछे बारात की दोनों गाड़ियां थीं। बदमाशों के भागने के बाद हम लोग दूल्हे की कार के पास पहुंचे। दरवाजा खोला तो भाई खून से लथपथ था। उसे पास के सरकारी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पिता बोले- 3 साल पहले बेटे को 30 लोगों ने पीटा था

दूल्हे के पिता रामलखन बिंद ने बताया-बेटे को किसने गोली मारी, इसकी जानकारी नहीं है। मैं बारात में सबसे पीछे वाली गाड़ी में था। इसी दौरान फोन पर सूचना मिली कि बेटे को गोली लग गई है। 3 साल पहले जपतापुर गांव के 30 लोगों ने उन्हें और उनके बेटे को बुरी तरह पीटा था। इससे दोनों के हाथ-पैर तक टूट गए थे। उन्होंने मुकदमा भी दर्ज कराया था, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्या ने पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचकर दूल्हे आजाद के परिजनों को सांत्वना दी।

पुरानी रंजिश में वारदात की आंशका

वारदात के बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की जांच-पड़ताल की। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। प्रारंभिक जांच में आपसी रंजिश का मामला सामने आया है। एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव ने बताया— वारदात के बाद पुलिस ने घटनास्थल से सबूत जुटाए हैं। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। जल्द बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कोई भी परंपरा नहीं तोड़ सकता, पहले डीएम-एसपी को फटकार लगाई थी

संभल में सार्वजनिक जमीन पर नमाज नहीं होगी : हाईकोर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

संभल। संभल में सार्वजनिक जमीन पर नमाज पढ़ने के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शुक्रवार को याचिका खारिज कर दी। हाईकोर्ट ने कहा कि ऐसी जमीन का उपयोग किसी एक पक्ष द्वारा नमाज अदा करने के लिए नहीं किया जा सकता। इस पर सबका समान अधिकार है।

अगर कोई पक्ष परंपरा से हटकर कोई कार्य करता है, तो कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य सरकार को हस्तक्षेप करने का पूरा अधिकार है। कोर्ट ने कहा कि किसी भी पक्ष की धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार अन्य पक्षों की स्वतंत्रता पर निर्भर करता है।

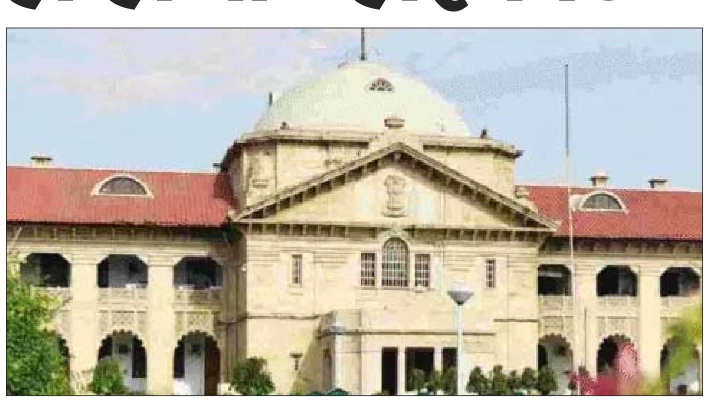

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि सार्वजनिक जमीन पर सभी का अधिकार है।

6 अप्रैल, 2026 को हाईकोर्ट में एक याचिका डाली गई थी। संभल के इकौना गांव निवासी असीन ने 82.80 वर्गमीटर जमीन को अपना बताते हुए सार्वजनिक नमाज पढ़ने की अनुमति मांगी थी। उन्होंने कहा था कि यह जमीन 16 जून, 2023 को उन्हें उपहार में मिली थी। असीन ने जमीन पर स्वामित्व का दावा करते हुए बैनामे को आधार बनाया था। दरअसल, दो महीने पहले संभल की एक मस्जिद में नमाजियों की संख्या सीमित करने के जिला प्रशासन के आदेश को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया था। कोर्ट ने राज्य सरकार को नमाज के समय सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करने का आदेश दिया था। जस्टिस अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की खंडपीठ ने कहा था अगर कोई व्यक्ति नमाज में बाधा डालता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। कोर्ट ने फैसला संभल के रहने वाले मुनाजिर खान की याचिका पर सुनाया था।

कोर्ट ने कहा- उपहार के तौर पर स्वामित्व सिद्ध नहीं होता

कोर्ट ने कहा कि राजस्व के डॉक्यूमेंट में यह सार्वजनिक जमीन है। इसलिए उपहार के तौर पर स्वामित्व सिद्ध नहीं होता। अगर जमीन को निजी मान भी लिया जाए, तब भी याचिकाकर्ता नियमित सामूहिक नमाज शुरू करना चाहता है। जो कि पहले केवल ईद पर होती थी। यह सीमित निजी पूजा नहीं बल्कि एक तरह का विस्तार है, जो नियंत्रण के अधीन है।

> **हाईकोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा, अगर किसी व्यक्ति द्वारा गलत तरीके से सार्वजनिक जमीन का हस्तांतरण किया जाता है। वहां भीड़ इकट्ठा कर नमाज पढ़ने की अनुमति मांगी जाती है, तो ऐसा बैनामा अवैध माना जाएगा। क्योंकि, सार्वजनिक जमीन पर सभी का समान अधिकार होता है।**

मूकबधिर नाबालिग के रेप मामले में 6 साल बाद सजा

बच्ची ने मां को इशारों में बताई थी घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा । आगरा के सदर क्षेत्र के इस मामले में पॉक्सो कोर्ट ने गूंगी-बहरी नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी को दोषी ठहराते हुए 20 साल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने सबूतों और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर फैसला दिया।

आगरा के सदर क्षेत्र में नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म के मामले में कोर्ट ने सख्त फैसला सुनाया है। पॉक्सो एक्ट की विशेष अदालत ने आरोपी को दोषी मानते हुए 20 साल के कठोर कारावास की सजा दी है और जुर्माना भी लगाया है।

यह घटना 22 अक्टूबर 2019 की है। आरोपी ने गूंगी-बहरी नाबालिग बच्ची को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और उसके साथ जबरदस्ती गलत काम किया। बच्ची के बोलने और सुनने में असमर्थ होने का फायदा उठाकर

यह वारदात की गई।

विषेश अभियोजन अधिकारी माधव शर्मा के अनुसार मामले का खुलासा तब हुआ जब परिजन बच्ची को डॉक्टर के पास लेकर पहुंचे। वहां मां ने इशारों में बच्ची से पूछा, तो पीड़िता ने भी इशारों में पूरी घटना बताई। इसके बाद परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने जांच के दौरान गवाहों के बयान लिए और मेडिकल जांच कराई। रिपोर्ट और अन्य सबूत कोर्ट में पेश किए गए, जिससे आरोपी के खिलाफ आरोप साबित हो गए।

पृष्ठ 01 का शेष...

बंगाल : 15 बूथ ...

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए काउंटिंग एजेंट्स को संबोधित करते हुए कहा कि TMC 200 से ज्यादा सीटों पर जीत हासिल करेगी।

चुनाव आयोग ने वोटों की सुरक्षित, शांतिपूर्ण और पारदर्शी गिनती पक्का करने के लिए पश्चिम बंगाल में 165 अतिरिक्त काउंटिंग ऑब्जर्वर और 77 पुलिस ऑब्जर्वर तैनात किए हैं।

कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आसानी से गिनती की प्रक्रिया पक्का करने के लिए पहचान वेरिफिकेशन, एंट्री पर रोक और अधिकारियों के बीच तालमेल जैसे कड़े प्रोटोकॉल लागू किए गए हैं।

कोलकाता पुलिस ने कालीघाट पुलिस स्टेशन के ऑफिसर इन चार्ज गौतम दास को सस्पेंड कर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक बंदूक के साथ एक तस्वीर पोस्ट की थी, जिस पर लिखा था 'नए काम के लिए तैयार'। कालीघाट PS की नई ऑफिसर इन-चार्ज चमेली मुखर्जी हैं। डायमंड हार्बर में री-पोलिंग के दौरान TMC और BJP कार्यकर्ताओं के बीच झड़प के बाद एडिशनल SP अभिषेक ने कहा- हम उन्हें नेशनल हाईवे ब्लॉक नहीं करने देंगे। डायमंड हार्बर PD में अभी री-पोलिंग चल रही है और अगर वे नेशनल हाईवे ब्लॉक करते हैं तो यह कोलकाता से कट जाएगा। उनकी मांग पर केस दर्ज किया गया है और इसकी जांच की जाएगी।

9 राज्यों में आंधी-...

कुछ इलाकों में बूंदाबांदी हुई। झांसी मेडिकल कॉलेज में एक बड़ा पेड़ स्कूटी और कार पर गिर गया।

15 जिलों में अधिकतम तापमान 30 से 32C के बीच रहा। उरई 41.6C के साथ राज्य का सबसे गर्म शहर है, जबकि हरदोई में न्यूनतम तापमान सबसे कम 17C रहा। 27 अप्रैल को बांदा में पारा 47.6C पहुंचने के बाद पिछले 5 दिन में पारा 6C तक लुढ़क गया है।

मौसम विभाग ने मई में देश में सामान्य से ज्यादा बारिश होने और कई हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से कम रहने का अनुमान जताया है। साथ ही अलग-अलग इलाकों में टेम्परेचर मिला-जुला रहेगा। वहीं गुजरात और महाराष्ट्र के कई हिस्सों में हीटवेव की स्थिति सामान्य से ज्यादा रहने की आशंका है।

असम, ओडिशा, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल के कुछ अलग-अलग स्थानों पर (7-20 cm) बारिश दर्ज की गई है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और तेलंगाना के कई इलाकों में ओलावृष्टि हुई है।

4 साल की बच्ची ...

इसके बाद महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि सरकार इस मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराएगी और अपराधी के लिए फांसी की मांग करेगी।

काफी देर तक बच्ची घर नहीं लौटी, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। कुछ लोगों ने तबेले में भी बच्ची को तलाशा तो उसका शव बरामद हुआ। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की तलाश की तो एक फुटेज में आरोपी बच्ची को तबेले की ओर ले जाता हुआ नजर आया।

पुलिस ने तुरंत भीमराव कांबले को हिरासत में ले लिया। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है।

घटना के बाद गांव के लोगों ने शुक्रवार रात विरोध प्रदर्शन किया और मुंबई-बेंगलुरु हाईवे पर चक्काजाम कर दिया। पुणे ग्रामीण पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल ने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया है कि इस मामले में 15 दिनों के भीतर चार्जशीट दाखिल कर दी जाएगी।

मशहूर गीतकार...

प्रसून जोशी बेहद क्रिएटिव हैं, जिनकी विज्ञापन, साहित्य, कला और सिनेमा में पूरी दुनिया में तारीफ हुई है। इसके बावजूद उनका दिल लगातार भारत के लिए धड़कता रहता है।

वैष्णव ने कहा कि जोशी के शब्द देश की मिट्टी की खुशबू रखते हैं। उनकी दृष्टि भारतीय संस्कृति के सुनहरे अतीत का दर्शन कराती है। मंत्री ने आगे लिखा कि प्रसून जोशी के नेतृत्व में, प्रसार भारती नई ऊर्जा, गहरी उद्देश्य और एक ताजा रचनात्मक आवाज़ खोजेगा। उनके लिए एक यादगार और सार्थक कार्यकाल के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

इस नियुक्ति से पहले, जोशी अगस्त 2017 से केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (CBFC), मुंबई के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत रहे हैं। उन्होंने फिल्म प्रमाणन प्रक्रियाओं को मजबूत करने में योगदान दिया

भाजपा ने अर्थव्यवस्था ...

और पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समाज समाजवादी पार्टी के साथ मजबूती से जुड़ा है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार जनता का भरोसा खो चुकी है और "झूठ और लूट" उसकी पहचान बन चुकी है। प्रीपेड और स्मार्ट मीटर के जरिए जनता की जेब से पैसे वसूले जा रहे हैं और तकनीक का गलत इस्तेमाल हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि जब स्मार्ट मीटर से चोरी संभव है तो ईवीएम पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है।

खून से सना घर...

पुलिस को आशंका है कि वारदात के तुरंत बाद वह घर से फरार हुई है। उसकी तलाश में कई टीमें लगाई गई हैं।

आसपास के जिलों में भी अलर्ट जारी किया गया है।

जानकारी के अनुसार बच्चों का पिता नियाज (42) सऊदी अरब में काम करता है और लंबे समय से घर नहीं लौटा है। यह भी सामने आया है कि उसने विदेश में दूसरी शादी कर ली थी। इसी बात को लेकर परिवार में तनाव और विवाद की स्थिति बताई जा रही है।

पड़ोसियों का कहना है कि घर में अक्सर बहस और तनाव रहता था, लेकिन किसी ने इतनी बड़ी घटना की कल्पना नहीं की थी।

घटनास्थल को पूरी तरह सील कर दिया गया है। फोरेंसिक टीम ने खून के नमूने, ईंट के टुकड़े, उंगलियों के निशान और अन्य साक्ष्य जुटाए हैं।

कमरे की दीवारों और फर्श से मिले निशानों की जांच की जा रही है। पुलिस का मानना है कि घटनास्थल से कई अहम सुराग मिल सकते हैं।

डीआईजी सोमेन...

डीआईजी ने कहा कि घटना के शीघ्र अनावरण के लिए सभी संसाधनों का उपयोग किया जाए और जांच को प्राथमिकता दी जाए। डीआईजी ने स्पष्ट किया कि मामले की जांच किसी एक दिशा में सीमित नहीं होगी। सभी संभावित पहलुओं पर गहराई से जांच की जाएगी।पुलिस प्रशासन ने टीमों का गठन कर विभिन्न बिंदुओं पर जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली में जज अमन...

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, अभी तक किसी भी प्रकार की संलिप्तता साबित नहीं हुई है। हालांकि, जांच प्रक्रिया के तहत सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। आधिकारिक रिकॉर्ड के मुताबिक, जज ने 19 जून, 2021 को दिल्ली न्यायिक सेवा में कार्यभार संभाला था। उन्होंने 2018 में पुणे के सिम्बायोसिस लॉ स्कूल से पढ़ाई पूरी की।

अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने कई तरह के आपराधिक और दीवानी (सिविल) मामलों की सुनवाई की। उन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (JMFC) और सिविल जज के रूप में अपनी सेवाएं दीं।

पिछले महीने ही दिल्ली के कनॉट प्लेस इलाके में स्थित एक होटल की 15वीं मंजिल से कूद कर 26 साल के वकील ने आत्महत्या कर ली थी। पुलिस को रॉयल प्लाजा होटल में हुई इस घटना की सूचना रविवार रात करीब सवा नौ बजे दी गई।

मृतक की पहचान दिल्ली उच्च न्यायालय के अधिवक्ता राजेश सिंह के रूप में हुई है, जो उसी दिन शाम में होटल में ठहरने आया था। पुलिस के एक बयान के मुताबिक, पुलिस दल ने होटल पहुंच कर पाया कि महावीर एनक्लेव निवासी सिंह ने इमारत की 15वीं मंजिल से कथित तौर पर छलांग लगा दी थी।

दिल्ली आईपीएल में लगातार तीन हार के बाद जीती

निराशा

राजस्थान को 7 विकेट से हराया, राहुल-निसांका की फिफ्टी, स्टार्क को 3 विकेट

जयपुर, एजेंसी

दिल्ली कैपिटल्स को IPL के मौजूदा सीजन में लगातार तीन हार के बाद जीत मिली है। टीम ने शुक्रवार को राजस्थान रॉयल्स को 7 विकेट से हराया।

जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में दिल्ली ने 226 रन का टारगेट 19.1 ओवर में 3 विकेट पर चेज कर दिया। टॉस जीतकर बैटिंग करते हुए राजस्थान ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 225 रन बनाए।

दिल्ली की ओर से ओपनर्स ने 110 रन की साझेदारी की।

दिल्ली की ओर से सीजन का पहला मैच खेल रहे मिचेल स्टार्क ने 3 विकेट झटके। काइल जैमिसन, अक्षर पटेल और टी नटराजन को एक-एक विकेट मिला।

16वें ओवर की दूसरी बॉल पर केएल राहुल 75 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें जोफ्रा आर्चर ने डोनेवान

केएल राहुल प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने 75 रनों की पारी खेली।

फरेरा के हाथों कैच कराया।

15वें ओवर की तीसरी बॉल पर नीतीश राणा 33 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें तुषार देशपांडे ने विकेट-कीपर ध्रुव जुरेल के हाथों कैच कराया। इसी के साथ फिफ्टी पार्टनर-रशिप ब्रेक हुई।

14वें ओवर में दिल्ली ने 150 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। नीतीश राणा ने नांद्र बर्गर के ओवर की पहली बॉल पर छक्का लगाया। इसी छक्के से टीम का स्कोर 150 पार हुआ। इसी ओवर में राहुल ने बर्गर की चौथी बॉल पर छक्का लगाया और राणा के साथ फिफ्टी पार्टनर-शिप पूरी की। 12वें ओवर में रवींद्र जडेजा ने 18 रन खर्च कर लिए। नीतीश राणा ने पहली बॉल पर छक्का लगाया। उसके बाद केएल राहुल ने तीसरी बॉल पर शानदार सिक्स लगाया। फिर राणा ने आखिरी बॉल पर छक्का लगाया।

कप्तान रियान पराग शतक चूके

कप्तान रियान पराग ने 90 रन की पारी खेली। 50 बॉल की पारी में रियान ने 8 चौके और 5 छक्के लगाए। उन्होंने ध्रुव जुरेल के साथ शतकीय साझेदारी की। जुरेल ने 42 रन बनाए। आखिरी डोनोवान फरेरा ने 14 बॉल पर 6 छक्कों के सहारे नाबाद 47 रन बनाए।

दिल्ली की ओर से केएल राहुल ने 40 बॉल पर 75 रन की पारी खेली। इस पारी में 6 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। राहुल के ओपनिंग पार्टनर पाथुम निसांका ने 33 बॉल पर 6 चौके और 3 छक्के के सहारे 62 रन बनाए।

तुषार देशपांडे ने नीतीश राणा को कैच आउट कराया।

बृजेश की नो बॉल से जीती दिल्ली, राजस्थान को 7 विकेट से हराया

आखिरी ओवर में दिल्ली को 5 रनों की जरूरत थी। आशुतोष शर्मा ने बृजेश शर्मा की पहली बॉल पर चौका लगा दिया। इसके बाद बृजेश ने नो बॉल डाल दी। इससे दिल्ली को 7 विकेट की जीत मिली।

18वें ओवर में दिल्ली ने 200 रन का आंकड़ा हासिल कर लिया। आशुतोष शर्मा ने तुषार देशपांडे की दूसरी बॉल पर चौका लगाकर टीम को 200 पार पहुंचाया।

पीएसएल में पाकिस्तानी गेंदबाज का चमत्कारिक ओवर

6 रन बनाने किए मुश्किल, हर तरफ मचा हाहाकार

नई दिल्ली। पाकिस्तान सुपर लीग में शुक्रवार को रोमांचक मैच हुआ जिसमें पहली बार लीग में खेल रही हैदराबाद किंग्समेन ने इस्लामाबाद युनाइटेड को हरा दिया। इस्लामाबाद की जीत पक्की लग रही थी। उसे आखिरी ओवर में छह रन चाहिए थे। ऐसे में हैदराबाद के हुनेन शाह ने इस्लामाबाद को ये रन नहीं बनाने दिए और अपनी टीम को जीत दिलाई। हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में पांच विकेट खोकर 186 रन बनाए। इस्लामाबाद की टीम सात विकेट खोकर 184 रन ही बना सकी और मैच हार गई। आखिरी ओवर में इस्लामाबाद को छह रन चाहिए थे जो हुनेन ने बनने नहीं दिए। 19वें ओवर में इस्लामाबाद ने 22 रन बना मैच अपने पक्ष में मोड़ दिया था। ऐसे में हैदराबाद के कप्तान मार्नस लाबुशेन ने हुनेन शाह पर भरोसा जताया और इस गेंदबाज ने

अपने कप्तान को निराश नहीं किया। उनके सामने थे क्रिस ग्रीन और फहीम अशरफ की जोड़ी। ग्रीन छह गेंदों पर 20 रन बना चुके थे। ओवर की पहली गेंद भी उन्होंने ने ही खेली। हुनेन ने उन्हें एक भी रन नहीं लेने दिया। दूसरी गेंद पर ग्रीन ने एक रन लिया। तीसरी गेंद पर फहीम अशरफ ने कोई रन नहीं लिया। चौथी गेंद पर फहीम आउट हो गए। पांचवें गेंद पर इमाद वसीम किसी तरह एक रन ले पाए। आखिरी गेंद पर इस्लामाबाद को जीत के लिए चार रन और मैच टाई कराने के लिए तीन चाहिए थे। सामने थे ग्रीन। आखिरी गेंद पर भी हुनेन ने एक ही रन दिया और अपनी टीम को जीत दिलाई।

वैभव सूर्यवंशी की कोई कमजोरी नहीं : इयान

कहा- उनके खिलाफ बैक ऑफ लेंथ बॉल कारगर होगी, मुंबई को गेंदबाजी बेहतर करनी होगी

नई दिल्ली, एजेंसी

वेस्टइंडीज के दिग्गज गेंदबाज इयान बिशप ने कहा है कि उन्हें वैभव सूर्यवंशी की कोई कमजोरी नजर नहीं आती है। हालांकि, पूर्व दिग्गज गेंदबाज ने अपने अनुभव के आधार पर कहा है कि उनके खिलाफ बैक ऑफ लेंथ गेंदबाजी कारगर साबित हो सकती है।

15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अपने प्रदर्शन से सभी को हैरान कर दिया है। राजस्थान के इस ओपनर ने जसप्रीत बुमराह, जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार जैसे दिग्गज गेंदबाजों पर चौके-छक्के लगाए हैं। वे इस सीजन में 400 रन बना चुके हैं। और ऑरेंज कैप की रेस में तीसरे स्थान पर हैं।

IPL के 'रिवेंज वीक' से पहले ESPN क्रिकइंफो एक्सपर्ट इयान बिशप ने मुंबई के खराब प्रदर्शन पर

भी बात की। उन्होंने कहा कि अगर मुंबई को बाउंस बैक करना है, तो उसे अपनी गेंदबाजी बेहतर करनी होगी। उन्होंने कहा- टीम में और भी खामियां हैं, लेकिन सबसे पहले गेंदबाजी पर काम करना होगा।

वैभव सूर्यवंशी की कमजोर पर इयान बिशप ने कहा- 'उनकी बैटिंग में कमजोरी ढूंढना मुश्किल है। वैभव का 'बेस बॉल' स्टाइल बैट स्विंग और उनकी मानसिक मजबूती उन्हें दुनिया के बेस्ट बॉलर्स के सामने बेखौफ होकर खेलने की ताकत देती है।

सूर्यवंशी के पास गेंदबाजों के सारे प्लान का जवाब

58 साल के दिग्गज गेंदबाज ने सूर्यवंशी की बैटिंग की तरीफ करते हुए कहा- उनके पास हर गेंदबाज के प्लान A से लेकर G तक का करारा जवाब है। इयान ने बताया कि टूर्नामेंट के सीनियर गेंदबाज वैभव को रोकने के लिए अलग-अलग पैंतरे आजमा रहे हैं। पिछले मैच में अर्शदीप सिंह ने लगातार यॉर्कर डालने की कोशिश की और फिर विकेट के पीछे से एंगल बदलकर गेंदबाजी की, लेकिन वैभव पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। बिशप के मुताबिक, जब एक अनुभवी गेंदबाज को किसी युवा खिलाड़ी के खिलाफ 6-7 अलग-अलग प्लान बदलने पड़ें, तो समझ जाइए कि वह खिलाड़ी खास है।

अगली पर बोल्ड, राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग हुए चोटिल, दिल्ली ने 7 विकेट से हराया

जयपुर में सूर्यवंशी का पहली गेंद पर चौका

जयपुर, एजेंसी

जयपुर के SMS स्टेडियम में खेले गए IPL मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स को 7 विकेट से हरा दिया। राजस्थान के कप्तान रियान पराग ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। ओपनर बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने स्टार्क की पहली गेंद पर सिक्स मारा, लेकिन ओवर की तीसरी गेंद पर आउट हो गए।

राजस्थान की पारी के दूसरे ओवर में वैभव सूर्यवंशी ने पहली बॉल पर चौका लगाया और अगली गेंद पर बोल्ड हो गए। इसके बाद कप्तान रियान पराग ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 50 गेंद में 90 रन की पारी

खेली। उनके अलावा डोनोवन फरेरा ने 14 गेंद में 47 रन और ध्रुव जुरेल ने 30 गेंद में 42 रन की शानदार पारी खेली। राजस्थान ने 20 ओवर में 225 रन बनाए।

226 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली को सलामी बल्लेबाजों ने शानदार शुरुआत दी। पथुम निसांका ने 33 गेंद में 62 रन और केएल राहुल ने 40 गेंद में 75 रन की पारी खेली। वहीं नीतीश राणा ने 17 गेंद में 33 रन बनाए। आखिर में स्टब्स ने 18 और आशुतोष शर्मा ने 25 रन की पारी खेलकर टीम को जीत दिला दी। फिल्डिंग के दौरान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग के पैर की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया, जिसके कारण उनको मैदान से बाहर जाना पड़ा।

पास की कालाबाजारी करने वाली गैंग पकड़ी

उधर, जयपुर पुलिस ने IPL मैच के पास की कालाबाजारी करने वाली गैंग पकड़ी है। डीएसटी साउथ टीम ने छापेमारी कर 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों से 13 वीवीआईपी पास बरामद किए।

वहीं दूसरी ओर SMS स्टेडियम में पार्किंग के लिए लोगों को बड़ी राशि खर्च करनी पड़ रही है। टू व्हीलर के लिए 149 प्लस जीएसटी राशि निर्धारित की गई है। 4 व्हीलर के लिए चार कैटेगरी में पैसे वसूले जा रहे हैं। सिल्वर कैटेगरी में 399 प्लस जीएसटी, गोल्ड कैटेगरी में 599 में प्लस जीएसटी, प्लैटिनम कैटेगरी में 749 प्लस जीएसटी। वहीं एलीट क्लास में 999 + जीएसटी वसूली जा रही है।

आईपीएल पास की कालाबाजारी करने वाली गैंग पकड़ी 6 गिरफ्तार

जयपुर में पुलिस ने IPL पास की कालाबाजारी करने वाली गैंग पकड़ी है। डीएसटी साउथ टीम ने छापेमारी कर 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों से 13 वीवीआईपी पास बरामद किए हैं। जिनकी कीमत करीब 1 लाख 60 हजार रुपए है। इसके अलावा आरोपियों से एक कार और 6 मोबाइल फोन भी जब्त किए गए।

मनोरंजन

कॉमेडियन ने इंस्टाग्राम पर दी जानकारी, वरुण धवन समेत कई सेलेब्स ने बधाई दी

मुनव्वर फारुकी की पत्नी ने बेटी को जन्म दिया

नई दिल्ली। टीवी शो बिग बॉस 17 के विनर मुनव्वर फारूकी और उनकी पत्नी महजबीन को एक बेटी हुई है। यह जानकारी मुनव्वर ने सोशल मीडिया पर शेयर की।

मुनव्वर ने शुक्रवार को अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर पत्नी और नवजात बेटी की तस्वीरें शेयर कीं। हालांकि, उन्होंने तस्वीरों में चेहरों को पब्लिक नहीं किया। पोस्ट के साथ मुनव्वर ने लिखा, 'घर में बरकत आई। धन्य महसूस कर रहा हूं। अल्हम्दुलि-ल्लाह। दुआओं में खास याद रखना!'

जैसे ही यह पोस्ट सामने आई, कई सेलेब्स ने कपल को बधाई दी। वरुण धवन, जन्नत जुबैर, मिस्टर फैजू, रीम शेख और अली गोनी ने शुभकाम-नाएं दीं। मुनव्वर ने यह भी बताया था कि महजबीन की एक 10 साल की बेटी है और दोनों का इमोशनल कनेक्शन जल्दी हो गया था। उन्होंने मिलने के अगले दिन ही शादी के लिए प्रपोज कर दिया था।

मुनव्वर और महजबीन की शादी 2024 में हुई थी

मुनव्वर ने मई 2024 में मेकअप आर्टिस्ट महजबीन कोटवाला से शादी की थी। यह उनकी दूसरी शादी थी, जिसे प्राइवेट रखा गया था और उस समय ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की थी। फराह खान के व्लॉग में मुनव्वर ने अपनी दूसरी शादी के फैसले पर बात करते हुए कहा था कि यह कदम उन्होंने अपने बेटे मिखाइल के लिए उठाया था। उनके अनुसार, बेटे के साथ समय बिताने के बाद उन्होंने जिम्मेदार पिता बनने का फैसला लिया।

मुनव्वर की पहली शादी साल 2017 में जैस्मिन नाम की महिला से हुई थी। यह एक अरेंज मैरिज

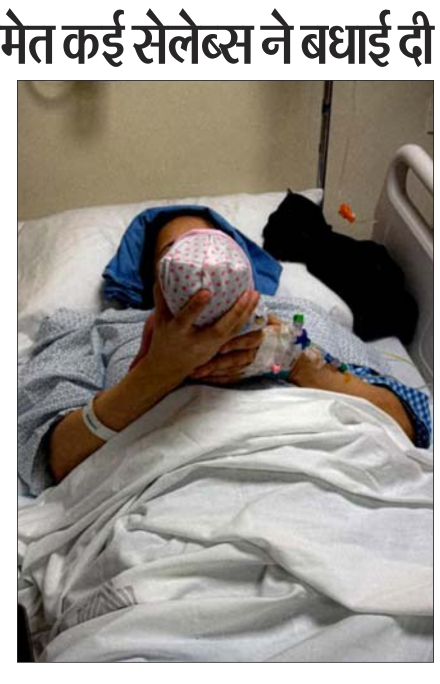

थी। इस शादी से मुनव्वर को एक बेटा मिखाइल है। उनकी शादी लगभग 5 साल तक चली और 2022 में दोनों का आधिकारिक रूप से तलाक हो गया। वर्कफ्रंट की बात करें तो मुनव्वर ने आखिरी बार सोनाली बेंद्रे के साथ शो 'पति, पत्नी और पंगा' होस्ट किया था।

'मैंने अपनी दोनों बहनों को खो दिया'

आशा भोसले के निधन से टूटीं उषा मंगेशकर

नई दिल्ली, एजेंसी

दशकों तक अपनी आवाज से करोड़ों दिलों पर राज करने वाली आशा भोसले का बीते दिनों ही निधन हो गया था। आशा ताई के जाने से मानो संगीत के एक युग का अंत हो गया। पहले दीदी लता मंगेशकर का 6 फरवरी 2022 को निधन हुआ और उसके ठीक 4 साल बाद उनकी बहन आशा भोसले का 12 अप्रैल 2026 को आशा भोसले का निधन हो गया। निधन के बाद अब उषा मंगेशकर ने अपनी बहनों आशा और लता को याद किया है। दरअसल हाल ही में उषा मंगेशकर मुंबई में आयोजित हुए एक अवॉर्ड शो में शिरकत करने पहुंची थीं। यहां अवॉर्ड शो के बाद उन्होंने बताया कि कैसे अब वो जानबूझकर

घर से बाहर निकलकर आईं हैं, क्योंकि घर पर रहेंगी तो वो बार-बाहर बहन आशा के बारे में ही सोचती हैं। एएनआई से बातचीत में उषा मंगेशकर ने कहा कि, मैंने कुछ ही सालों में अपनी दोनों बड़ी बहनों को खो दिया है। मैं बहुत अकेली हो गई हूं। पिछले आठ सालों में मैंने अपनी दो बड़ी बहनों को खो दिया है। यह मेरे साथ साथ पूरे देश के लिए बहुत बड़ा झटका है, क्योंकि हमने एक बहुत महान गायिका को खो दिया।

अपकमिंग थ्रिलर को मिली हरी झंडी, सलमान खान अपने करियर की पहली सुपरहीरो फिल्म करने वाले हैं

सुपरहीरो बन सलमान ख़ान करेंगे बॉक्स ऑफिस पर धमाका

नई दिल्ली। एक्शन, कॉमेडी और रोमांस करने के बाद अब सलमान खान बड़े पर्दे पर सुपरहीरो बनने जा रहे हैं। अभिनेता की नई फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। दरअसल, कुछ समय पहले खबरें आई थी कि सलमान खान अपने करियर की पहली सुपरहीरो फिल्म करने वाले हैं, जिसे द फैमिली मैन वेब सीरीज के मेकर्स राज निदिमोरु और कृष्णा डीके बनाएंगे। हालांकि, उसके बाद इस फिल्म को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। फिल्म की टीम अब दूसरे कुछ नामों पर विचार कर रहे हैं और अगले कुछ महीनों में लीड एक्ट्रेस की तलाश भी पूरी हो जाएगी। सलमान की यह पहली सुपरहीरो फिल्म होगी। अगर सब कुछ

> **फिल्म की अभिनेत्री को लेकर सामंथा रुथ प्रभु का नाम सामने आ रहा था, हालांकि फिर सुनने में आया है कि वह इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं और उनके फिल्म में कास्ट होने की खबरें केवल अफवाह हैं।**

योजना के मुताबिक रहा, तो शूटिंग तय समय पर शुरू हो जाएगी। हालांकि, अभी तक फिल्म को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। राज एंड डीके की सुपरहीरो फिल्म के अलावा सलमान खान इन दिनों साउथ की हाई ओक्टेन

सुपरहीरो फिल्म की जल्द शुरू होगी शूटिंग

अब खबरें आ रही हैं कि इस फिल्म को हरी झंडी मिल गई है और सलमान यह फिल्म कर रहे हैं। सलमान उसके बाद एक्शन कॉमेडी सुपरहीरो फिल्म की शूटिंग शुरू कर सकते हैं। फिल्म से जुड़े सूत्रों के अनुसार, फिलहाल फिल्म अपने प्री-प्रोडक्शन चरण में है, जहां फिल्म के लुक और तकनीकी पहलुओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

यह एक बड़े बजट की सुपरहीरो फिल्म होगी, जिसे वैश्विक दर्शकों को ध्यान में रखकर तैयार किया जाएगा। टीम का लक्ष्य है कि सभी तैयारी पूरी होने के बाद अक्टूबर से इसकी शूटिंग शुरू कर दी जाए।

एक्शन ड्रामा की शूटिंग कर रहे हैं जिसमें वामसी बना रहे हैं। उनकी फिल्म मातृभूमि भी रिलीज के लिए तैयार है, बस नई रिलीज डेट आनी बाकी है। इसके अलावा अभिनेता के पास किक 2 भी है।

फिर बदली पेडी की रिलीज डेट

टॉक्सिक की जगह अब राम चरण बॉक्स ऑफिस पर मचाएंगे तहलका

नई दिल्ली। राम चरण की मोस्ट एंटीसिपेटेड फिल्म पेड्डी (Peddi) रिलीज के लिए तरस रही है। इस फिल्म की रिलीज डेट तीसरी बार बदली गई है। पहले यह फिल्म 30 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। फिर इसे 25 जून तक के लिए खिसका दी गई थी। अब एक बार फिर राम चरण की फिल्म पेड्डी की रिलीज डेट बदल गई है। इस बार राम चरण, रॉकिंग स्टार यश की जगह बॉक्स ऑफिस पर राज करने वाले हैं। अब फिल्म के लिए 25 जून का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। यह 20 दिन पहले ही सिनेमाघरों में एंट्री मारने वाली है।

शुक्रवार को राम चरण का पेड्डी से एक धांसू पोस्टर जारी किया गया है और फिल्म की नई रिलीज डेट अनाउंस कर दी गई है। यह फिल्म 25 जून की जगह 4 जून को बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाली है। फिल्म का पोस्टर जारी करते हुए एक्टर ने बताया कि अब फिल्म 4 जून को सिनेमाघरों में

रिलीज हो रही है। 4 जून को पहले टॉक्सिक रिलीज होने वाली थी। रॉकिंग स्टार यश की टॉक्सिक मोस्ट एंटीसिपेटेड फिल्म थी जिसकी रिलीज डेट पहले 19 मार्च थी, लेकिन फिर इसे 4 जून के लिए पोस्टपोन कर दिया गया था। हालांकि, अब फिल्म की रिलीज डेट फिर से पोस्टपोन हो गई है। नई तारीख की अनाउंसमेंट अभी तक नहीं हुई है। किससे होगा पेड्डी का बॉक्स ऑफिस क्लैश? राम चरण की पेड्डी, बॉक्स ऑफिस पर वरुण धवन की रोम-कॉम ड्रामा 'है जवानी तो इश्क होना है' के साथ टकराएगी। टॉक्सिक के पोस्टपोन होने के बाद वरुण धवन की फिल्म की रिलीज डेट भी बदलकर 5 जून तय कर दी गई थी।

जर्मन चांसलर ने कहा था- ईरान ने अमेरिका की बेइज्जती की, अमेरिका की प्लानिंग भी बेकार

जर्मनी से नाराज डोनाल्ड ट्रम्प ने 5000 सैनिक वापस बुलाए

जर्मनी में 36,000, इटली में 12,000 और ब्रिटेन में लगभग 10,000 अमेरिकी सैनिक मौजूद हैं।

फैसला

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका ने जर्मनी से करीब 5,000 सैनिक हटाने का फैसला किया है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुताबिक यह प्रक्रिया अगले 6 से 12 महीनों में पूरी होगी। यह कदम सीधे तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के बीच बयानबाजी के बाद सामने आया है।

मर्ज ने पिछले महीने एक कार्यक्रम में कहा था कि अमेरिका के पास कोई अच्छी प्लानिंग नहीं है। उसे पता ही नहीं है कि वह इस जंग से बाहर कैसे निकलेगा। उन्होंने कहा कि ईरान बातचीत को टालने में माहिर है और अमेरिका को बिना नतीजे के इस्लामाबाद तक आना-जाना पड़ा। इससे अमेरिका को ईरान के सामने अपमानित होना पड़ा। इससे ट्रम्प नाराज हो गए थे। उन्होंने मर्ज को लेकर कहा कि वे बहुत खराब काम कर रहे हैं। उनको लगता है कि ईरान के पास परमाणु हथियार होना अच्छी बात है। उन्हें हकीकत की समझ नहीं है।

पहले भी सैनिक हटाने की कोशिश कर चुके ट्रम्प

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प इससे पहले भी जर्मनी से सैनिक हटाने की बात कर चुके हैं। तब उन्होंने जर्मनी को दिवालिया कहा था क्योंकि वह नाटो के तय 2% रक्षा खर्च लक्ष्य से पीछे था।

तब उन्होंने 12,000 सैनिकों को हटाने की योजना बनाई थी, लेकिन अमेरिकी संसद के विरोध और लॉजिस्टिक दिक्कतों के कारण यह लागू नहीं हो पाई।

बाद में राष्ट्रपति जो बाइडन ने 2021 में इस योजना को रोक दिया और फिर रद्द कर दिया। पिछले साल अमेरिका ने रोमानिया में भी अपने सैनिकों की संख्या कम करने का फैसला लिया था।

जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प (फाइल फोटो)

जर्मनी में 36 हजार अमेरिकी सैन्य तैनात

BBC के मुताबिक दिसंबर तक जर्मनी में 36,000 से ज्यादा अमेरिकी सैनिक तैनात थे। यह संख्या जापान के बाद दूसरी सबसे बड़ी तैनाती है, जहां करीब 55,000 अमेरिकी सैनिक मौजूद हैं।

इसके अलावा इटली में करीब 12,000 और ब्रिटेन में लगभग 10,000 अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। जर्मनी में अमेरिकी सैन्य ठिकाने लंबे समय से यूरोप में अमेरिका की रणनीतिक मौजूदगी का अहम हिस्सा रहे हैं।

हालांकि, अमेरिका और यूरोपीय देशों के बीच ईरान को लेकर तनाव बढ़ा हुआ है। यूरोपीय देशों ने ईरान जंग में ट्रम्प का साथ देने के लिए कई बार इनकार किया है। जिसके बाद ट्रम्प आरोप लगाते आए है कि यूरोपीय देश केवल कागजी शेर है क्योंकि समय पर वह कभी काम नहीं आते।

इसी बीच ट्रम्प ने इटली और स्पेन से भी सैनिक हटाने का संकेत दिया है। उनका कहना है कि ये देश ईरान के खिलाफ अमेरिका का साथ नहीं दे रहे हैं, जिससे नाटो के भीतर मतभेद बढ़ते दिख रहे हैं।

आरबीआई के नए डिप्टी गवर्नर बने रोहित जैन

3 साल का कार्यकाल होगा, टी-रबी शंकर की जगह लेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

अपॉइंटमेंट कमेटी ऑफ द कैबिनेट यानी ACC ने रोहित जैन को भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) का नया डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया है। उनकी यह नियुक्ति 3 साल के लिए होगी, जो 3 मई या उसके बाद से प्रभावी मानी जाएगी। जैन वर्तमान डिप्टी गवर्नर टी रबी शंकर की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल आज समाप्त हो रहा है।

रोहित जैन इससे पहले दिसंबर 2020 से आरबीआई में कार्यकारी निदेशक (ED) के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे। कार्यकारी निदेशक के तौर पर जैन ने सुपरविजन विभाग (रिस्क, एनालिटिक्स और वल्नरेबिलिटी असेसमेंट) की जिम्मेदारी संभाली है। केंद्र सरकार ने पिछले महीने डिप्टी गवर्नर पद के लिए चार कार्यकारी निदेशकों का इंटरव्यू लिया था, जिसमें से जैन के नाम पर

मुहर लगी है। जैन के पास रिजर्व बैंक में करीब तीन दशकों का लंबा अनुभव है।

शैक्षणिक योग्यता की बात करें तो जैन ने कॉमर्स में मास्टर डिग्री (M.Com) और बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर डिग्री (MBA) हासिल की है। इसके साथ ही उन्होंने बैंकिंग रिस्क और रेगुलेशन में इंटरनेशनल सर्टिफिकेट (ICRR) और सर्टिफाइड एसोसिएट ऑफ द इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस (CAIIB) जैसी प्रोफेशनल डिग्रियां भी ली हैं। वे एक सर्टिफाइड बैंक ट्रेनर भी हैं।

सूरत में देश का पहला बैरियर लेस टोलिंग सिस्टम शुरू

120किमी प्रति घंटे की स्पीड पर भी रियल टाइम में कटेगा टोल टैक्स

सूरत, एजेंसी

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को भारत का पहला मल्टी-लेन फ्री फ्लो बैरियर-लेस टोलिंग सिस्टम लॉन्च किया। यह सिस्टम गुजरात में सूरत-भरूच सेक्शन के NH-48 पर चोर्यासी टोल प्लाजा पर शुरू किया गया है, जिससे वाहन बिना रुके टोल दे सकेंगे। बैरियर-फ्री टोलिंग मल्टी-लेन फ्री फ्लो टेक्नोलॉजी पर आधारित है। यह 120 की स्पीड से भी गुजरने वाली गाड़ियों को बिना रुके टोल पॉइंट से गुजरने की सुविधा देती है। पारंपरिक टोल प्लाजा पर जहां फिजिकल बैरियर होते हैं वहीं यह सिस्टम सेंसर और कैमरों से लैस ओवरहेड फ्रेम का इस्तेमाल करता है, ताकि गाड़ियों की

अपने-आप पहचान हो सके और टोल शुल्क रियल टाइम में काट लिया जाए।

यह सिस्टम FASTag को ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (ANPR) टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ता है। हाई-परफॉर्मेंस वाले एआई कैमरे 120 किमी की स्पीड से भी गुजरने वाली गाड़ियों की नंबर प्लेट पढ़ लेते हैं, जबकि RFID रीडर FASTag स्टिकर को स्कैन करते हैं। इसके बाद टोल की रकम सीधे लिंक्ड अकाउंट से काट ली जाती है। अगर किसी गाड़ी में FASTag काम नहीं कर रहा है या गाड़ी पर फास्टैग नहीं लगा है तो कैमरा नंबर प्लेट के जरिए गाड़ी की पहचान कर मालिक को ई-नोटिस भेज देता है।

इस प्रणाली से यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आएगी बल्कि हाईवे पर लगने वाले जाम में भी कमी आएगी। साथ ही दावा किया जा रहा है कि ईंधन की बचत भी होगी। वाहनों से होने वाले प्रदूषण में कमी और टोल संचालन में कम से कम लोगों की जरूरत होगी। मंत्रालय के अनुसार, इस सिस्टम से यात्रा का समय कम होगा, हाईवे पर जाम घटेगा, ईंधन की बचत होगी, वाहन प्रदूषण कम होगा और टोल संचालन में मानव हस्तक्षेप भी कम होगा।

दक्षिणी लेबनान में रणनीति बदलने को मजबूर हुई आईडीएफ

हिजबुल्लाह के सस्ते ड्रोन बदल रहे युद्ध की दिशा

नई दिल्ली, एजेंसी

हिजबुल्लाह द्वारा तैनात किए गए सस्ते फाइबर-ऑप्टिक ड्रोन दक्षिणी लेबनान में इजरायली सैनिकों के लिए नई ऑपरेशनल चुनौतियां खड़ी कर रहे हैं। इन ड्रोन्स के कारण इजरायली सेना को इस तेजी से बढ़ते जानलेवा खतरे के मुकाबले अपनी रणनीतियों में बदलाव करना पड़ रहा है।

इंस्टीट्यूट फॉर नेशनल सिक्योरिटी स्टडीज (INSS) की वरिष्ठ शोधकर्ता ओर्ना मिजराही ने बताया कि ये डिवाइस छोटे, सस्ते और आसानी से उपलब्ध हैं तथा दिखने में बच्चों के खिलौनों जैसे लगते हैं। इन ड्रोन्स को फर्स्ट-पर्सन व्यू (FPV) मोड में उड़ाया जाता है, जिसमें स्क्रीन या वर्चुअल रियलिटी गॉगल्स का इस्तेमाल होता है। इन्हें उड़ाने के लिए बहुत कम प्रशिक्षण की जरूरत पड़ती है। इनकी उच्च गति और सटीकता इजरायली लक्ष्यों को भारी नुकसान पहुंचाने में सक्षम बनाती है।

चूंकि इनमें इलेक्ट्रॉनिक संकेत नहीं होते, इन्हें रडार से पकड़ना मुश्किल होता है। सैनिकों को इन्हें आंखों से या रडार से ही पहचानना पड़ता है, लेकिन तब तक अक्सर बहुत देर हो चुकी होती है।

क्यों है पारंपरिक ड्रोन से अलग?

AFP के अनुसार, मिजराही ने कहा कि सेना के पास आजकल इसका कोई जवाब नहीं है, क्योंकि उन्होंने खुद को ऐसे कम-तकनीक वाले विस्फोटकों के लिए तैयार नहीं किया था।

GPS या रेडियो संकेतों से निर्देशित पारंपरिक ड्रोन्स को इलेक्ट्रॉनिक जामिंग से बाधित किया जा सकता है। इसके विपरीत, हिजबुल्लाह ऐसे ड्रोन्स तैनात कर रहा है जो पतले फाइबर-ऑप्टिक केबलों के जरिए लॉन्च स्थल से जुड़े रहते हैं। ये केबल कई दर्जन किलोमीटर तक फैल सकते हैं।

> ओर्ना मिजराही के अनुसार, हिजबुल्लाह द्वारा फ़ाइबर-ऑप्टिक ड्रोन्स की तैनाती असममित युद्ध की ओर एक बड़े बदलाव को दर्शाती है। हाल के दिनों में इस समूह ने इन ड्रोन्स पर अपनी निर्भरता काफी बढ़ा दी है। यह शुरुआती दौर के भारी रॉकेट हमलों की रणनीति से एक महत्वपूर्ण विचलन है।

असममित युद्ध की नई रणनीति

विशेषज्ञों का कहना है कि इन ड्रोन्स को असेंबल करने की लागत कुछ सौ डॉलर से लेकर लगभग $4,000 तक हो सकती है, जो इस्तेमाल किए गए पुर्जों पर निर्भर करती है। इनमें से कई पार्ट्स AliExpress जैसे प्लेटफॉर्म पर आसानी से उपलब्ध हैं। शुक्रवार को हिजबुल्लाह के मीडिया प्रमुख यूसुफ अल जैन ने इन ड्रोन्स के इस्तेमाल की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि इनका निर्माण लेबनान के अंदर ही किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमें दुश्मन की श्रेष्ठता का भान है, लेकिन हम उसकी कमजोरियों का भी फायदा उठा रहे हैं।

48 घंटे में दो पायलटों की हार्ट अटैक से मौत

नई दिल्ली। दो पायलट्स की हार्ट अटैक से मौत के बाद देश में कॉमर्शियल पायलट्स की थकान और उनके ड्यूटी के घंटों को लेकर विवाद बढ़ गया है।

द एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) को पत्र लिखकर फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (FDTL) नियमों को पूरी तरह सख्ती से लागू करने की मांग की है।

एसोसिएशन ने बताया कि पायलट्स का कहना है कि एयरलाइंस को नियमों में बार-बार दी जा रही छूट सुरक्षा और क्रू की सेहत के साथ समझौता है। पायलट्स एसोसिएशन ने DGCA प्रमुख वीर विक्रम यादव और नागरिक उड्डयन सचिव समीर कुमार सिन्हा को लिखे लेटर में बताया कि, बाली (इंडोनेशिया) में 29 अप्रैल को रेस्ट पीरियड के दौरान एअर इंडिया के एक पायलट की हार्ट अटैक से मौत हो गई। उन्होंने 28 अप्रैल को दिल्ली से बाली की फ्लाइट ऑपरेट की थी।

डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी ने 1.8 मिलियन डॉलर (लगभग 15 करोड़ रुपये) का जुर्माना

अमेरिका में 16 साल तक अवैध रूप से रहा गुजरात का कारोबारी

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका में 16 साल से गैर-कानूनी तौर पर रह रहे एक गुजराती कारोबारी पर डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (DHS) ने 1.8 मिलियन डॉलर (लगभग 15 करोड़ रुपये) का जुर्माना लगाया है। वह मेक्सिको के रास्ते अमेरिका में दाखिल हुआ था।

इमिग्रेशन एंड नेशनैलिटी एक्ट के प्रावधानों के तहत अप्रैल में जारी एक नोटिस में कहा गया है कि उसे कई साल पहले ही देश से निकाले जाने का आदेश दिया गया था, इसके बावजूद उसने जान-बूझकर अमेरिका छोड़ने से इनकार कर दिया। आदेश का पालन न करने की अवधि के दौरान यह जुर्माना 998 डॉलर (94,000 रुपये से ज्यादा) प्रति दिन के हिसाब से तय किया गया है। हालांकि, उस समय के कई प्रवासियों की तरह कथित तौर पर वह उसके बाद इमिग्रेशन अधिकारियों के सामने पेश नहीं हुआ और अमेरिका में ही रहता रहा। इन सालों में उसने कई कारोबार शुरू किए और इसी तरह के रास्तों से अपनी पत्नी और दो बच्चों को भी ले आया। दो साल पहले उसने U वीजा के लिए आवेदन किया, जो कुछ खास अपराधों के पीड़ितों को दिया जाता है और इसके तहत उसके पास एक वैध वर्क परमिट और सोशल सिक्योरिटी नंबर है। नोटिस में कहा गया है कि प्राप्तकर्ता न तो अमेरिकी नागरिक है और न ही उसे कानूनी तौर पर यहां रहने की अनुमति है। नोटिस में उस पर स्वेच्छा से देश छोड़कर न जाने, यात्रा दस्तावेजों के लिए आवेदन न करने और जरूरत पड़ने पर देश-निकाले के लिए खुद को पेश न करने का आरोप लगाया गया है।

उसे अपील करने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है। ऐसा न करने पर इस आदेश को अंतिम माना जाएगा और उसके बाद वसूली की कार्रवाई शुरू की जा सकती है। यह स्पष्ट नहीं है कि जुर्माना भरने से उसके देश-निकाले पर क्या असर पड़ेगा।

2010 में हुआ था दाखिल

दस्तावेजों के मुताबिक, यह व्यक्ति 2010 में अमेरिका-मेक्सिको सीमा के रास्ते अमेरिका में दाखिल हुआ था और घुसने के कुछ ही समय बाद उसे हिरासत में ले लिया गया था। कुछ ही हफ्तों में उसे रिहा कर दिया गया था, लेकिन अगले ही साल उसे देश से निकाले जाने का अंतिम आदेश थमा दिया गया।

'लॉन्ड्री रूम में आग और टॉयलेट सिस्टम फेल'

> अमेरिका ने फारस की खाड़ी से वापस बुलाया दुनिया का सबसे बड़ा एयरक्राफ्ट कैरियर

नई दिल्ली, एजेंसी

ईरान के खिलाफ युद्ध में शामिल होने के बाद यूएसएस जेराल्ड आर फोर्ड विमानवाहक पोत मध्य पूर्व से रवाना हो गया है। इसके साथ ही क्षेत्र में दो विशाल अमेरिकी युद्धपोत अब भी मौजूद हैं। अमेरिकी अधिकारी ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की है।

अधिकारी ने बताया कि फोर्ड फिलहाल अमेरिकी यूरोपीय कमान के क्षेत्र में है। मध्य पूर्व में अभी भी अमेरिकी नौसेना के 20 जहाज मौजूद हैं, जिनमें यूएसएस अब्राहम लिंकन और यूएसएस जॉर्ज एचडब्ल्यू बुश विमानवाहक पोत शामिल हैं।

यूएसएस जेराल्ड आर फोर्ड लगातार 10 महीने से समुद्र में तैनात है। इस दौरान इसने कैरेबियन क्षेत्र में अमेरिकी अभियानों में हिस्सा लिया, जहां वॉशिंगटन की सेनाओं ने कथित ड्रग तस्करी नावों पर हमले किए, प्रतिबंधित टैंकरों को रोका और वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो से संबंधित कार्रवाई की। वर्तमान में अमेरिका और ईरान के बीच अनिश्चितकालीन संघर्ष विराम लागू है, लेकिन विवाद अभी भी सुलझा नहीं है। तेहरान ने महत्वपूर्ण हरमुज जलडमरूमध्य को अवरुद्ध कर रखा है, जबकि अमेरिकी बल ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी कर रहे हैं।

जहाज पर हुई घटनाएं

12 मार्च को विमानवाहक पर लॉन्ड्री रूम में आग लग गई, जिसमें दो नाविक घायल हो गए। इस घटना से लगभग 100 बेड को भारी नुकसान पहुंचा। समुद्र में रहते हुए पोत की टॉयलेट सिस्टम में गंभीर दिक्कतें आईं।

अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शौचालयों में बार-बार क्लॉगिंग हो रही थी और नाविकों को लंबी कतारों में इंतजार करना पड़ रहा था।

चेतावनी : सांसद बोले- साजिश रची जा रही, भारत से मुस्लिमों की बड़ी घुसपैठ और शरणार्थी संकट की आशंका जताई

बंगाल के एग्जिट पोल में बीजेपी की बढ़त देख बढ़ी बांग्लादेश की टेंशन

आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश के सत्तारूढ़ विरोधी सांसद और जमात-ए-इस्लामी समर्थित अख्तर होसैन ने भारत से मुस्लिमों की बड़ी संख्या में घुसपैठ की आशंका जताई है। उन्होंने क्षेत्र में एक बड़ी साजिश रचने का आरोप लगाते हुए कहा कि पड़ोसी देश भारत से शरणार्थी संकट पैदा कर बांग्लादेश पर बोझ डाला जा सकता है। होसेन ने जिस क्षेत्र का जिक्र किया, उसका नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी टिप्पणियों को असम और पश्चिम बंगाल के हालिया

चुनावों से जोड़कर देखा जा रहा है। एग्जिट पोल में असम में भाजपा की जीत की भविष्यवाणी की गई है, जबकि पश्चिम बंगाल में भाजपा और सत्तारूढ़ टीएमसी के बीच कड़ी टक्कर बताई जा रही है।

रोहिंग्या और शरणार्थी संकट की चेतावनी

अख्तर होसैन ने कहा कि म्यांमार के राखाइन राज्य से आए रोहिंग्या मुसलमान पहले ही बांग्लादेश में घुस चुके हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि पड़ोसी देश से मुस्लिमों को निकालकर शरणार्थी लहर पैदा करने की कोई गारंटी नहीं है। यह बयान असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के अवैध बांग्लादेशियों को वापस भेजने वाले बयानों के संदर्भ में देखा जा रहा है।

कुछ एग्जिट पोल भाजपा को बढ़त दे रहे हैं। विपक्षी सांसद ने टीएमसी पर अवैध बांग्लादेशियों को शरण देने और मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया।

राष्ट्र से एकजुटता का आह्वान

नेशनल सिटिजन पार्टी के सदस्य अख्तर होसैन ने कहा कि ऐसी स्थिति से निपटने के लिए राष्ट्र को एकजुट रहना होगा। उन्होंने कहा कि लोगों को एक रहना चाहिए, जैसा कि 1971 के स्वाधीनता संग्राम और शेख हसीना के खिलाफ 2024 के जुलाई आंदोलन में राष्ट्र हमेशा खड़ा रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि बांग्लादेश को अपनी संप्रभुता, स्वतंत्रता या लोगों पर थोपी जाने वाली किसी भी बाहरी निर्णय के खिलाफ एकजुट होकर जवाब देना चाहिए। हम एक जटिल क्षेत्र में स्थित हैं और कई भू-राजनीतिक वास्तविकताओं से गहराई से जुड़े हुए हैं।

सीमा हत्याओं पर चिंता

संसद में विपक्षी मुख्य सचेतक और एनसीपी संयोजक नाहिद इस्लाम नाहिद ने सीमा पर लगातार हो रही हत्याओं पर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने सीमा पर पुश-इन की घटनाओं की आशंका व्यक्त की और आरोप लगाया कि करीब 4,000 लोगों को बांग्लादेश में धकेला जा चुका है। नाहिद ने संसद में कहा कि आने वाले दिनों में एक खतरनाक संकट बढ़ सकता है।

सामंथा ने लॉन्च किया टॉक्सिन फ्री परफ्यूम

रणबीर से रश्मिका तक, परफ्यूम बिजनेस में उतरे सेलेब्स

मुंबई, एजेंसी

फिल्म स्टार्स लंबे समय से परफ्यूम ब्रांड्स का प्रचार करते रहे हैं, लेकिन अब वे खुद इस बिजनेस में उतर रहे हैं और अपने-अपने तरीके से फैंस से जुड़ने की कोशिश कर रहे हैं। रणबीर कपूर ने पिछले साल 'ARKS' नाम से परफ्यूम लॉन्च किया। इसमें रणबीर ने ऑनलाइन स्ट्रेटजी अपनाई। कंपनी ने स्विगी इंस्टामार्ट से पार्टनरशिप की और इसे क्विक कॉमर्स पर उपलब्ध कराया। वहीं सामंथा रुथ प्रभु का 'सीक्रेट एलकेमिस्ट' खुद को भारत का पहला अरोमाथेरेपी-बेस्ड परफ्यूम ब्रांड बताता है, जिसमें टॉक्सिन-फ्री और वेलनेस-फोकस्ड खुशबुओं पर जोर है। रश्मिका मंदाना ने भी 'डियर डायरी' नाम से परफ्यूम ब्रांड शुरू की है।

उनकी कंपनी ने 2026 के अंत

तक 100 स्टोर्स तक विस्तार करने की योजना बनाई है। इधर, हॉलीवुड में भी रिहाना, सेलेना गोमेज जैसे सेलेब्रिटी इस बिजनेस में हैं। जानते हैं इनके बारे में।

सामंथा ने मार्च 2026 में ब्रांड सीक्रेट एलकेमिस्ट के जरिए अरोमाथेरेपी-आधारित नए परफ्यूम्स की रेंज लॉन्च की है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96